सुप्रीम कोर्ट ने तीस्ता सीतलवाड़ की जमानत के मामले में छह हफ्ते की लंबी तारीख देने पर गुजरात हाई कोर्ट पर सवाल उठाते हुए राज्य सरकार से पूछा कि क्या हाई कोर्ट में ऐसा ही होता है? क्या जमानत के मामलों में छह सप्ताह की लंबी तारीख लगाई जाती है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 259 दिनांक:02-09-2022 शुक्रवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

एशिया कप के एक ग्रुप बी के निर्णायक मुकाबले में श्रीलंका और बांग्लादेश की टीमें करो या मरो मुकाबले में खेली गई। श्रीलंका के कप्तान दसुन शनका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। श्रीलंका ने मैच जीत लिया।

भारा केंद्र का खजाना, अगस्त का जीएसटी कलेक्शन 1.44 लाख करोड़ रुपये

लगातार छठवें माह कलेक्शन 1.40 लाख करोड़ से ज्यादा

नई दिल्ली (ईएमएस)। सितंबर माह की शुरुआत मोदी सरकार के लिए एक अच्छी खबर के साथ हुई है। वित्त मंत्रालय ने 01 सितंबर को पिछले महीने यानी अगस्त 2022 में हुए जीएसटी कलेक्शन के आंकड़े जारी किए। आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2022 में जीएसटी कलेक्शन 1.44 लाख करोड़ रुपये रहा, जो सालाना आधार पर 28 फीसदी ज्यादा है। पिछले साल अगस्त में सरकार को जीएसटी से 1,12,020 करोड़ रुपये मिले थे।

वित्त मंत्रालय ने कहा, अगस्त 2022 लगातार छठा ऐसा महीना रहा है, जब जीएसटी कलेक्शन 1.40 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रहा है। हालांकि यह जुलाई 2022 की तुलना में 04 फीसदी कम है। इससे पहले जुलाई 2022 में केंद्र को जीएसटी से 1,48,995 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे। वहीं जून 2022 में जीएसटी कलेक्शन 1,44,616 करोड़ रुपये रहा था। इससे एक महीने पहले यानी मई 2022 में सरकार को जीएसटी से 1.40 लाख करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे। इस साल अप्रैल में जीएसटी ने सबसे ज्यादा कलेक्शन का रिकॉर्ड बनाया था। अप्रैल 2022 में मोदी सरकार को जीएसटी से 1.68 लाख करोड़ रुपये मिले थे। मार्च 2022 में भी इनडाइरेक्ट टैक्स से 1.42 लाख करोड़ रुपये मिले थे। इससे पहले फरवरी में जीएसटी से 1.33 लाख करोड़ रुपये रहा था।

वित्त मंत्रालय ने बताया कि अगस्त माह के दौरान केंद्र को सेंट्रल जीएसटी से 24,710 करोड़ रुपये मिले। वहीं स्टेट जीएसटी से 30,951 करोड़ रुपये और इंटीग्रेटेड जीएसटी से सरकार को 77,782 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। इंटीग्रेटेड जीएसटी कलेक्शन में सामानों के आयात पर वसूले गए 42,067 करोड़ रुपये भी शामिल हैं। इनके अलावा सेस से 10,168 करोड़ रुपये आए, जिसमें सामानों के आयात से हुआ 1,018 करोड़ रुपये का संग्रह शामिल है। इस तरह अगस्त महीने के दौरान सरकार को जीएसटी से कुल 1,43,612 करोड़ रुपये प्राप्त हुए।

इस वित्तीय साल में मोदी सरकार अब तक जीएसटी से 7.46 लाख करोड़ रुपये जुटा चुकी है। यह पिछले वित्तीय साल के पहले 05 महीनों के दौरान प्राप्त जीएसटी रेवेन्यू की तुलना में 33 फीसदी अधिक है। मंत्रालय ने जीएसटी कलेक्शन के साथ ही ई-वे बिल के आंकड़े भी जारी किए। आंकड़ों के अनुसार, जुलाई 2022 में 7.6 करोड़ ई-वे बिल जेनरेट हुए। यह जून 2022 के 7.4 करोड़ ई-वे बिल की तुलना में कुछ ही ज्यादा है। वहीं यह आंकड़ा साल भर पहले यानी जुलाई 2021 के 6.4 करोड़ ई-वे बिल की तुलना में 19 फीसदी अधिक है। मंत्रालय ने बयान में कहा, टैक्स की बेहतर रिपोर्टिंग और इकोनॉमिक रिकवरी से जीएसटी कलेक्शन के ऊपर लगातार सकारात्मक असर पड़ रहा है। मंत्रालय ने कहा कि बीते महीनों के दौरान जीएसटी काउंसिल ने कई फैसले लिए, जिसका साफ असर दिखने लगा है।

भारत ने अपनी खुद की सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन ईज़ाद की

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने अपनी खुद की सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन ईजाद कर ली है। आने वाले कुछ महीनों में सर्वाइकल कैंसर की ये वैक्सीन नेशनल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम में शामिल कर ली जाएगी, इसकी कीमत 200 से 400 रुपये के बीच होगी। इससे पहले अब तक दुनिया में इस बीमारी से बचाव के दो ही कंपनियों के टीके मौजूद हैं। डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की 10 साल की कोशिश कामयाब हुई। महिलाओं में होने वाला सर्वाइकल कैंसर का स्वदेशी टीका बनकर तैयार है। जल्द ही ये टीका राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल कर लिया जाएगा।

इस मौके पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉक्टर जितेंद्र सिंह, मंत्री ने कहा कि नेशनल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम एक लगातार जारी प्रक्रिया है। पहले जो जो मौजूद वैक्सीन थे उनको राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया गया था। अब आगे इसको भी शामिल किया जाएगा। अगले दो साल में इस टीके के 200 मिलियन डोज तैयार किए जाएंगे और इसकी बाजार में मौजूद बाकी टीकों से कम कीमत होगी। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला ने कहा कि कुछ महीनों में हम टीका को लॉन्च करेंगे। कीमत 200 - 400 रु के बीच रहने की संभावना है पर इसका फैसला मंत्रालय से बात करेंगे आगे आने वाले वक्त में करेंगे। ये टीका 9 से 26 साल के युवा और युवतियों को दिया जा सकता है।

5 सितंबर को क्या होगा क्या दिल्ली की तरह विश्वास मत हासिल करेंगे सीएम हेमंत सोरेन!

रांची (ईएमएस)। झारखंड में उत्पन्न राजनीतिक अनिश्चितता के बीच गुरुवार को कैबिनेट की बैठक में जो एक अहम फैसला लिया गया, उसके तहत 5 सितंबर को पूर्वाह्न 11 बजे से एकदिवसीय विशेष सत्र आहूत करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी।

झारखंड सरकार के इस फैसले के बाद यह माना जा रहा है कि 5 सितंबर को आहूत एकदिवसीय सत्र के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार की तरह विधानसभा में विश्वास मत पर चर्चा करा कर शक्ति प्रदर्शन करेंगे। गठबंधन सरकार में शामिल झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल विधायकों को एकजुट रखने के लिए अधिकांश विधायकों को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित मेफेयर रिसॉर्ट में ठहराया गया है। अब ये सभी विधायक अगले 4 सितंबर तक वहीं रहेंगे और 4 सितंबर को ही एक साथ इन सभी को वापस रांची लाया जाएगा और रांची में एक स्थान में ठहरा कर दूसरे दिन 5 सितंबर को एक साथ विधानसभा पहुंचने की रणनीति बनायी गयी है। यह भी संभावना जतायी जा रही है कि आज कैबिनेट की बैठक समाप्त होने के बाद कल सुबह अन्य सभी मंत्री भी चार्टेड विमान से रायपुर चले जाएंगे। इनके साथ एक दिन के लिए सीएम भी रायपुर में यूपीए विधायकों से मिलने जा सकते हैं। इस बार कांग्रेस कोटे के मंत्रियों के अलावा जेएमएम और आरजेडी कोटे से सरकार में शामिल मंत्रियों को भी रायपुर ले जाने की संभावना है।

राज्यपाल पर दबाव बनाने की रणनीति

झारखंड विधानसभा का एकदिवसीय विशेष सत्र आहूत करने के फैसले को राज्यपाल पर दबाव बनाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। जिस तरह से सीएम हेमंत सोरेन के ऑफिस ऑफ प्रॉफिट मामले में भारत निर्वाचन आयोग का फैसला आ चुका है और राज्यपाल के निर्णय की सभी प्रतीक्षा कर रहे हैं, वैसे में इस फैसले को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सत्रावसान के फैसले को स्थगित कर मॉनसून सत्र को किया विस्तारित

झारखंड कैबिनेट ने विगत 24 अगस्त को प्रस्ताव में 29 जुलाई से 5 अगस्त तक आहूत मॉनसून सत्र के सत्रावसान करने का फैसला लिया था। जिसके कारण एकदिवसीय विशेष सत्र आहूत करने के लिए राज्यपाल की अनुमति जरूरी होती। इसमें राजभवन की ओर से अड़चन पैदा की जा सकती थी, इसकी अनुमति में विलंब होने से यूपीए खेमा को प्रतीक्षा करना पड़ सकता, यही कारण है कि आज कैबिनेट की बैठक में एक प्रस्ताव पारित मॉनसून सत्र के सत्रावसान को पहले स्थगित करने का निर्णय लिया गया और फिर एक दूसरे प्रस्ताव के माध्यम से इसी सत्र को विस्तारित करते हुए 5 सितंबर को विशेष सत्र आहूत करने का निर्णय लिया गया।

मोदी सरकार ने डीजल के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। मोदी सरकार ने डीजल के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर को बढ़ाकर 13.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया है, जबकि विमानों के संचालन में इस्तेमाल होने वाले एटीएफ (एविएशन टर्बाइन फ्यूल) के निर्यात पर इस बढ़ाकर नौ रुपये प्रति लीटर किया गया है। उसने घरेलू उत्पादित कच्चे तेल पर भी शुल्क बढ़ा दिया है। वित्त मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर इसकी जानकारी दी।

अधिसूचना के अनुसार मोदी सरकार ने चौथे पखवाड़े की समीक्षा में डीजल के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर को सात रुपये से बढ़ाकर 13.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया, जबकि एटीएफ (एविएशन टर्बाइन फ्यूल) के निर्यात पर इस दो रुपये बढ़ाकर 9 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया। सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर भी शुल्क 13000 रूपये प्रति टन 300 रुपये बढ़ाकर 13,300 रुपये कर दिया गया है। भारत ने पहली बार एक जुलाई को अप्रत्याशित लाभ कर लगाया था। इसी के साथ यह उन देशों में शामिल हो गया, जो ऊर्जा कंपनियों के सामान्य से अधिक मोटे मुनाफे पर अतिरिक्त कर लगाते हैं।

डिजिटल पेमेंट में भारत बना विश्वगुरु; रोजाना हो रहा 28.4 करोड़ डिजिटल ट्रांजेक्शन

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा है कि डिजिटल भुगतान और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के मामले में भारत विश्व गुरु बन गया है और भारत विकसित देशों को इस दिशा में राह दिखाने के लिए तैयार है। यहां तक कि जर्मनी जैसा विकसित देश भी डिजिटल तरीके से डीबीटी भुगतान के मामले में भारत से पीछे है।

मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक गत वित्त वर्ष 2021-22 में रोजाना 90 लाख से डीबीटी भुगतान किए गए जिससे 9.5 करोड़ लाभार्थियों को फायदा पहुंचा। मंत्रालय के मुताबिक भारत में प्रतिदिन औसतन 28.4 करोड़ डिजिटल ट्रांजेक्शन किया जा रहा है जो विश्व भर में सबसे अधिक है। डिजिटल ट्रांजेक्शन के मामले में चीन दूसरे नंबर पर तो अमेरिका तीसरे नंबर पर है।

चंद्रशेखर ने कहा कि डिजिटल भुगतान के मामले में सिर्फ विकासशील देशों के लिए ही भारत उदाहरण नहीं बना है बल्कि विकसित देश भी भारत से सीख ले सकते हैं। चंद्रशेखर ने बताया कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत 9.5 करोड़ लाभार्थियों के बैंक खाते में एक बटन क्लिक करके एक दिन में 1900 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए। मतलब एक क्लिक से 9.5 करोड़ ट्रांजेक्शन किए गए।

चंद्रशेखर ने बताया कि गत वित्त वर्ष 2021-22 में 8800 करोड़ डिजिटल भुगतान का ट्रांजेक्शन किया गया जबकि इस साल 24 जुलाई तक 3300 क रोड़ डिजिटल ट्रांजेक्शन किया गया। डिजिटल भुगतान और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के मामले में भारत विश्व गुरु बन गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा है कि भारत विकसित देशों को इस दिशा में राह दिखाने के लिए तैयार है।

मंत्रालय के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में 566 लाख करोड़ रुपए का डिजिटल ट्रांजेक्शन किया जा चुका है। नेशनल पेमेंट कारपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के आंकड़ों के मुताबिक यूनिफायड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से इस साल अगस्त माह में 10.72 लाख करोड़ रुपए का 6.57 अरब डिजिटल ट्रांजेक्शन किया गया जो इस साल जुलाई के मुकाबले ट्रांजेक्शन टर्म में 4.62 फीसद अधिक है।

तीस्ता पर सुनवाई में देरी को लेकर सीजेआई ने जताई नाराजगी, गुजरात सरकार से पूछा तीखा सवाल

नई दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट ने हैरत जताई कि गुजरात हाई कोर्ट ने कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ की जमानत याचिका को 19 सितंबर को सुनवाई के लिए क्यों सूचीबद्ध किया है। हाई कोर्ट द्वारा राज्य सरकार को नोटिस दिए जाने के छह सप्ताह बाद शीर्ष अदालत ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सरकार से तीस्ता की याचिका पर जवाब मांगा है और शुक्रवार दोपहर दो बजे तक उसे सूचित करने के लिए कहा। प्रधान न्यायाधीश उदय उमेश ललित, न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने सीतलवाड़ की याचिका पर अगली सुनवाई शुक्रवार को तय की। सीतलवाड़ को 2002 के गुजरात दंगों के मामलों में निर्दोष लोगों को फंसाने के लिए कथित तौर पर सबूत गढ़ने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

सीजेआई ने कहा कि हम इस मामले की सुनवाई कल दोपहर दो बजे करेंगे। जाहिर तौर पर नाखुश सीजेआई ने कहा कि ऐसे उदाहरण दें जहां ऐसे मामलों में आरोपी महिला को उच्च न्यायालय से ऐसी तारीखें मिली हों। या तो इस महिला को अपवाद बनाया गया है। अदालत यह तारीख कैसे दे सकती है? क्या गुजरात में यह मानक प्रथा है? इस दौरान अदालत ने सॉलिसिटर जनरल से पूछा- तीस्ता के खिलाफ न तो यूएपीए और न ही पोटा (इ्र्ऊँ) का केस दर्ज है, फिर भी दो महीने से आपने उन्हें कस्टडी में रखा है। शुक्रवार को दोपहर 2 बजे फिर इस मामले में सुनवाई होगी। तीस्ता की जमानत का विरोध करते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मामला हाईकोर्ट में है, इसलिए आप वहीं सुनवाई होने दें। तीस्ता की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल तो गुजरात सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल मेहता पेश हुए।

गुजरात उच्च न्यायालय ने तीन अगस्त को सीतलवाड़ की जमानत याचिका पर राज्य सरकार को नोटिस जारी किया था और मामले की सुनवाई 19 सितंबर को तय की थी। अहमदाबाद की एक सत्र अदालत ने 30 जुलाई को सीतलवाड़ और पूर्व महानिदेशक पुलिस आरबी श्रीकुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने कहा था कि अगर इन्हें रिहा किया जाता है, तो यह गलत काम करने वालों को संदेश देगा कि कोई भी बिना सजा के आरोप लगा सकता है और इससे बच सकता है।

सीतलवाड़ और श्रीकुमार दोनों को जून में गिरफ्तार किया गया था, उन पर 2002 के गोधरा दंगों के बाद के मामलों में निर्दोष लोगों को फंसाने के लिए सबूत गढ़ने का आरोप है। वे साबरमती केंद्रीय जेल में बंद हैं। श्रीकुमार ने जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया है। मामले के तीसरे आरोपी पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट ने जमानत के लिए आवेदन नहीं किया है। भट्ट पहले से ही एक अन्य आपराधिक मामले में जेल में थे जब उन्हें इस मामले में गिरफ्तार किया गया था। मुंबई के सीतलवाड़ और श्रीकुमार को 24 जून को सुप्रीम कोर्ट द्वारा जकिया जाफरी द्वारा दायर एक याचिका खारिज करने के कुछ दिनों के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया था। जकिया के पति और पूर्व कांग्रेस सांसद एहसान जाफरी अहमदाबाद में दंगों के दौरान मारे गए थे, जिसमें एसआईटी की क्लीन चिट को चुनौती दी गई थी।

कांग्रेस के 'भारत जोड़ों' के मुकाबले आप का होगा 'मेक इंडिया नंबर 1' अभियान

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस 7 सितंबर से 'भारत जोड़ो' यात्रा क्रा आगाज करने जा रही है। वहीं, आम आदमी पार्टी ने भी 7 सितंबर से ही 'मेक इंडिया नंबर वन' अभियान की शुरुआत करने का फैसला किया है। कहा जा रहा है कि आप राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस की जगह लेने की तैयारी कर रही है। वहीं, गुजरात और हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच यात्रा अहम साबित हो सकती है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हरियाणा से 7 सितंबर से अखिल भारतीय अभियान की शुरुआत करने जा रहे हैं। इसके जरिए आप पार्टी संगठन विस्तार और 2024 लोकसभा चुनाव की तैयारी कर रही है। खास बात है कि आम चुनाव से पहले देश के 7 अहम राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। केजरीवाल 'मेकिंग इंडिया नंबर 1' के जरिए राज्यों में रैलियां, युवाओं के साथ बैठकें और तिरंगा यात्राएं करेंगे। इसकी शुरुआत हरियाणा में 7-8 अक्टूबर को होने वाले दो दिवसीय कार्यक्रम से होगी।

गुजरात और हिमाचल प्रदेश में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। अब सवाल है कि इसके बाद भी आप ने हरियाणा क्यों चुना? दरअसल, पंजाब में मिली ऐतिहासिक जीत का फायदा आप हरियाणा में उठाने की कोशिश कर रही है। इस कार्यक्रम में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान अरविंद केजरीवाल भी उनके साथ होंगे। खबर है कि वह आदमपुर और हिसार में रैलियों के जरिए अभियान की शुरुआत करेंगे। चेन्नई के पास श्रीपेरंबदूर स्मारक पर श्रद्धांजलि देने के बाद राहुल 7 सितंबर को कन्याकुमारी से भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत करेंगे। पदयात्री कन्याकुमारी से तिरुवनंतपुरम, कोच्चि, नीलांबर, मैसूर, बेलारी, रायचूर, विकाराबाद, नांदेड़, जलगांव, इंदौर, कोटा, दौसा, अलवर, बुलंदशहर, दिल्ली, अंबाला, जम्मू जाएंगे और यात्रा का अंत कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में होगा।

साल 2013 में केजरीवाल ने दिल्ली की तीन बार की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के खिलाफ चुनाव लड़ा था। तब दीक्षित ने कहा था, 'कौन है अरविंद केजरीवाल? क्या है आप। क्या यह ऐसी पार्टी है, जिसकी तुलना कांग्रेस या भारतीय जनता पार्टी से की जा सके।' खास बात है कि तब केजरीवाल ने न केवल कांग्रेस नेता को हराया, बल्कि उनकी पार्टी ने कांग्रेस के हाथों से दिल्ली भी छीन लिया। यही हाल पंजाब विधानसभा में भी हुआ। केजरीवाल ने तब पंजाब के मुख्यमंत्री रहे चरणजीत सिंह चन्नी दोनों सीटों से हार रहे हैं। नतीजा भी यही हुआ और चन्नी अपने गढ़ चमकौर साहिब और भदौर सीट से हार गए। खास बात है कि दोनों ही सीटों पर केजरीवाल की पार्टी के उम्मीदवार ने उन्हें हराया। वहीं, चुनाव का अंतिम नतीजा भी यही हुआ कि कांग्रेस के हाथों से पंजाब भी निकल गया और आप ने शानदार 92 सीटों पर जीत दर्ज की।

गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे के बाद कश्मीर ही नहीं हरियाणा और हिमाचल में भी घिरी कांग्रेस

नई दिल्ली (ईएमएस)। वरिष्ठ कश्मीरी नेता गुलाम नबी आजाद ने मोहभंग होने के बाद कांग्रेस से बोरिया बिस्तर समेट इस्तीफा देने के बाद नई पार्टी बनाने का ऐलान किया है और वह जम्मू-कश्मीर में अब तक सैकड़ों नेताओं को तोड़ चुके हैं। इसके अलावा आज 5,000 कार्यकर्ता भी गुलाम नबी आजाद के समर्थन में कांग्रेस छोड़ने वाले हैं। लेकिन कांग्रेस का यह नुकसान यहीं थमता नहीं दिख रहा है बल्कि इसकी आग हिमाचल और हरियाणा तक फैल रही है। एक तरफ गुलाम नबी आजाद से भूपिंदर सिंह हुड्डा की मुलाकात से हरियाणा कांग्रेस में बवाल मचा है तो वहीं हिमाचल में भी आनंद शर्मा के 'आजाद बोल' के साइडइफेक्ट्स देखने को मिल रहे हैं।

इसकी बानगी बुधवार को भी देखने को मिली, जब कांग्रेस ने 10 गारंटियों का ऐलान किया, जिसमें पुरानी पेंशन स्कीम बहाल करना भी शामिल है। कांग्रेस का चुनावी मिशन के दौरान अब तक का यह सबसे बड़ा इवेंट था, लेकिन आनंद शर्मा इससे नदारद रहे। वहीं राहुल गांधी ने कांग्रेस के ऐलानों की तारीफ की। इससे पहले आनंद शर्मा ने हिमाचल प्रदेश कांग्रेस की इलेक्शन कैंपेन कमिटी के चेयरमैन के पद से भी इस्तीफा दे दिया था। ऐसे में उनकी गैरहाजिरी यह बताती है कि उनकी नाराजगी कायम है। भले ही आनंद शर्मा का हिमाचल प्रदेश में बहुत ज्यादा जनाधार नहीं है, लेकिन इस तरह की फूट पार्टी की चुनावी संभावनाओं पर असर डालेगी।

इसके अलावा हरियाणा में भी गुलाम नबी आजाद के इफेक्ट से महाभारत छिड़ गई है। सोमवार को गुलाम नबी आजाद से मिलने वाले नेताओं में आनंद शर्मा, भूपिंदर सिंह हुड्डा और पृथ्वीराज चव्हाण शामिल थे। अब हरियाणा की सीनियर नेता कुमारी शैलजा ने भूपिंदर सिंह हुड्डा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उनका कहना है कि भूपिंदर सिंह हुड्डा के खिलाफ हाईकमान को ऐक्शन लेते हुए कारण बताओ नोटिस जारी करना चाहिए। साफ है कि हरियाणा में आने वाले दिनों में कांग्रेस में उठापटक दिख सकती है। यह संकट ऐसे वक्त में पैदा हुआ है, जब हाईकमान ने भूपिंदर सिंह हुड्डा को हरियाणा में कमान सौंप दी है। इसके बाद भी उनकी गुलाम नबी आजाद से नजदीकी खटकने वाली है।

बीते दिनों ही हुड्डा के करीबी उदयभान को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर हाईकमान ने सोचा था कि हरियाणा में अब टकराव थम जाएगा। इसके बाद भी हुड्डा के रवैये ने पार्टी के सामने सवाल खड़ा किया है। हुड्डा दो बार हरियाणा के सीएम रहे हैं और जाट बिरादरी से आते हैं। उनका अच्छा जनाधार माना जाता है, लेकिन अब उनकी बगावत कांग्रेस को संकट में डाल सकती है। इसकी एक वजह यह भी है कि वोटरों को आकर्षित करने वाले चेहरों का भी हरियाणा में कांग्रेस के पास अभाव है। इस तरह गुलाम नबी आजाद का इफेक्ट जम्मू-कश्मीर ही नहीं बल्कि हरियाणा और हिमाचल में भी कांग्रेस के लिए परेशानी खड़ी कर रहा है।

सेना के साथ हुई मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकवादी मारे गए

नई दिल्ली (ईएमएस)। बारामूला के सोपोर इलाके में सुरक्षा बलों के साथ रात भर चली मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों द्वारा घेराबंदी और तलाश अभियान शुरू करने के बाद सोपोर शहर के बोमई इलाके में मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि सुरक्षाकर्मियों ने अभियान में दो आतंकवादियों को मार गिराया।

गोलीबारी में आम नागरिक भी घायल हुआ हैं। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आतंकवादी प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े थे। उन्होंने कहा कि दोनों आम नागरिकों पर हमले की साजिश रच रहे थे। कश्मीर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विजय कुमार ने ट्वीट किया, जैश-ए-मोहम्मद के मारे गए आतंकवादियों की पहचान सोपोर के मोहम्मद रफी और पुलवामा के कैसर अशरफ के रूप में हुई है।

रोमांचक मुकाबले को दो विकेट से जीतकर श्रीलंका सुपर-4 में, बांग्लादेश एशिया कप से बाहर

दुबई इस जीत के साथ श्रीलंका ने सुपर-4 के लिए क्वालिफाई कर लिया है। वहीं, बांग्लादेश की टीम एशिया कप से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई है। अब सुपर-4 की तीन टीमें मिल चुकी हैं। श्रीलंका से पहले ग्रुप-ए से भारत क्वालिफाई कर चुका है। वहीं, ग्रुप-बी से अफगानिस्तान और श्रीलंका ने सुपर-4 के लिए क्वालिफाई किया। श्रीलंका ने ग्रुप-बी के आखिरी मैच में बांग्लादेश को दो विकेट से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 183 रन बनाए। बांग्लादेश की ओर से सबसे ज्यादा रन अफीफ हुसैन ने बनाए। उन्होंने 39 रन की पारी खेली। जवाब में श्रीलंका ने 19.2 ओवर में आठ विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। श्रीलंका के लिए कुसाल मेंडिस ने 37 गेंदों में 60 रन की पारी खेली। वहीं, कप्तान दासुन शनाका ने 33 गेंदों में 45 रन बनाए।

इस जीत के साथ श्रीलंका ने सुपर-4 के लिए क्वालिफाई कर लिया है। वहीं, बांग्लादेश की टीम एशिया कप से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई है। अब सुपर-4 की तीन टीमें मिल चुकी हैं। श्रीलंका से पहले ग्रुप-ए से भारत क्वालिफाई कर चुका है। वहीं, ग्रुप-बी से दोनों टीमें मिल चुकी हैं। अफगानिस्तान और श्रीलंका ने ग्रुप-बी से सुपर-4 के लिए क्वालिफाई किया। ग्रुप-ए की दूसरी टीम शुक्रवार को मिलेगी। पाकिस्तान और हॉन्गकॉन्ग के बीच शुक्रवार को मैच खेला जाएगा।

वहीं, सुपर-4 में चारों टीमें एक-दूसरे से एक-एक बार मैच खेलेंगी। तीन सितंबर को अफगानिस्तान और श्रीलंका के बीच मैच खेला जाएगा। भारतीय टीम अफगानिस्तान से छह सितंबर को और श्रीलंका से आठ सितंबर को भिड़ेगी।बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही थी।

यौन उत्पीड़न मामले में महंत शिवमूर्ति मुरुघा गिरफ्तार, पॉक्सो कानून के तहत दर्ज किया गया था मामला

बेंगलुरु, कर्नाटक के चित्रदुर्ग स्थित मुरुघा मठ के मुख्य महंत शिवमूर्ति मुरुघा शरणारू को गिरफ्तार कर लिया गया है। कर्नाटक लॉ एंड ऑर्डर एडीजीपी आलोक कुमार के हवाले से समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। मेडिकल टेस्ट और जांच प्रक्रिया नियम के अनुसार होगी। उन्हें न्यायाधीश के सामने भी पेश किया जाएगा। महंत शिवमूर्ति मुरुघा पर हाईस्कूल की दो छात्राओं के यौन उत्पीड़न के मामले में पॉक्सो कानून के तहत मामला दर्ज किया गया था। मुरुघ मठ के मुख्य पुजारी शिवमूर्ति मुरुघा शरणारू को पुलिस थाने ले जाया जा रहा है। इसके बाद उनका मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा।

आरोपी मुरुघा मठ के मुख्य महंत शिवमूर्ति मुरुघा ने अग्रिम जमानत के लिए कोर्ट में याचिका लगाई थी। इस पर शुक्रवार को सुनवाई होगी। स्थानीय अदालत ने गुरुवार को उनकी अर्जी पर सुनवाई एक दिन के लिए टाल दी। इससे पहले महंत ने सोमवार को अग्रिम जमानत की अर्जी दी थी। दो में से एक पीड़िता के अनुसूचित जाति से होने के बाद मंगलवार को महंत पर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार संरक्षण कानून की धाराएं भी लगाई गई। अब इन धाराओं को लेकर पुलिस की आपत्तियां भी सुनी जानी हैं। अभियोजन पक्ष शुक्रवार को अपनी आपत्तियां कोर्ट में पेश करेगा। उसके बाद ही जमानत अर्जी पर फैसला होगा। महंत के अलावा मठ के छात्रावास की वार्डन समेत कुल पांच लोगों को आरोपी बनाया गया है।

दरअसल, शिवमूर्ति समेत पांच व्यक्तियों पर उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं के यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। उनके खिलाफ पॉक्सो कानून के तहत मैसूर पुलिस ने दो नाबालिगों की शिकायत के बाद एफआईआर दर्ज की है। जिला बाल संरक्षण इकाई के अधिकारी की शिकायत के आधार पर मठ के छात्रावास के वार्डन समेत कुल पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। जानकारी के मुताबिक, लड़कियों ने मैसूर स्थित एक गैर-सरकारी संगठन 'ओदानदी सेवा संस्थान' से संपर्क किया और काउंसलिंग के दौरान अपने साथ हुए दुर्व्यवहार के बारे में जानकारी दी।

विधानसभा में गरजे बरसे केजरीवाल

- भाजपा को बताया कट्टर बेईमान पार्टी

- 49 विधायकों पर 69 मुकदमे

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली विधानसभा में सरकार के विश्वास में 58 मत पड़े। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सदन में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की ईमानदारी और भारतीय जनता पार्टी की बेईमानी के ऊपर जमकर गरजे। उन्होंने आम आदमी पार्टी को एक कट्टर ईमानदार पार्टी, और भाजपा को कट्टर बेईमान पार्टी बताया। विश्वास मत के बाद विधानसभा अनिश्चितकालीन के लिए स्थगित हो गई।

आबकारी नीति के घोटाले में डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की ईमानदारी पर बोलते हुए उन्होंने कहा सीबीआई ने उनके यहां 14 घंटे तक रेड मारी। 7 घंटे गहन पूछताछ की। लाकर भी चेक किए। सीबीआई को कुछ नहीं मिला। सीबीआई के अधिकारियों का कहना था कि हमारे ऊपर दबाव है। आप को गिरफ्तार तो करना ही पड़ेगा।केजरीवाल ने कहा मनीष सिसोदिया के यहां सीबीआई की रेड ने गुजरात में 4 फ़ीसदी वोट आम आदमी पार्टी के बढ़ा दिए हैं। जिस दिन मनीष सिसोदिया गिरफ्तार होंगे। उस दिन गुजरात में 6 फ़ीसदी वोट बढ़ जाएगा।केजरीवाल यह कहना भी नहीं चूके,कि भारत में केवल दो पार्टियां हैं। एक कट्टर ईमानदारआम आदमी पार्टी और एक कट्टर बेईमान भारतीय जनता पार्टीको बताया।

केजरीवाल ने कहा हमारी नई पार्टी है।62 विधायकों में से 49 विधायकों के ऊपर 69 मुकदमे दर्ज किए गए। इनमें से 35 मुकदमों पर कार्यवाही चल रही है। 34 केस में आरोपियों को न्यायालय से बरी कर दिया गया है। भाजपा के लोग काम नहीं करने दे रहे हैं। झूठे आरोप लगाकर विधायकों को परेशान कर रहे हैं। केजरीवाल ने कहा 16 मुकदमें मुझ पर दायर किए गए। जिसमें 12 में बरी हो गया हूं। 13 केस मनीष पर लगाए थे। उसमें 10 में वह बरी हो गए हैं। सत्येंद्र जैन पर 4 केस लगाए थे। जिसमें से दो में वह बरी हो गए हैं। झूठे आरोप लगाकर दिल्ली सरकार को काम ही नहीं करने दे रहे हैं।

सियासी लड़ाई के बीच दिल्ली सरकार ने विधानसभा में विश्वास मत स्वीकृत करा लिया है। नियमानुसार 6 महीने तक अब दिल्ली सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया जा सकता है।यह कदम मुख्यमंत्री केजरीवाल ने भाजपा के लोटस ऑपरेशन के जवाब में उठाया है। सूत्रों के अनुसार विश्वास मत में सभी 62 विधायकों का समर्थन सरकार के पक्ष में रहा। भाजपा के 8 विधायक हैं। अब यदि आम आदमी पार्टी में कोई तोड़फोड़ होती है। तो उन्होंने कानूनी रूप से दिल्ली सरकार का बचाव और भाजपा को घेरने का सियासी दांव चल दिया है।

विपक्ष में एक भी वोट नहीं पड़ा स्पीकर के विदेश में होने डिप्टी स्पीकर का मत नहीं देने और सत्येंद्र जैन के जेल में होने के कारण सत्ता पक्ष के सभी वोट सरकार के विश्वास मत में पड़े।

जन हितैषी

डालर की दादागिरी को वैश्विक चुनौती

अमेरिका के पास,दुनिया का 18 ट्रिलियन डॉलर बकाया है।जो अमेरिका की जीडीपी का 73 फ़ीसदी है।मुद्रा कोष में 50 फीसदी का पैमाना खतरे का निशान माना जाता है। अमेरिका का स्तर वर्तमान में 73 फ़ीसदी पर पहुंच गया है।अमेरिका की अर्थव्यवस्था लगातार धीमी पड़ रही है। इससे सारी दुनिया के देशों की चिंता बढ़ गई है। अमेरिकी डॉलर के कारण दुनिया के कई देश वित्तीय संकट में आ जाते हैं। आयात- निर्यात व्यापार का संतुलन बिगड़ जाता है। भुगतान को लेकर बड़े संकट खड़े हो जाते हैं।1970 के दशक में डालर की तुलना में अन्य देशों की मुद्रा में भारी गिरावट आई थी। जो लगभग 7 वर्षों तक चली थी। 2011 के बाद से डॉलर की मूल्य वृद्धि अन्य देशों की मुद्राओं को लगातार कमजोर बना रही है। जिसके कारण दुनिया के कई देश विदेशी मुद्रा संकट से जूझ रहे हैं।कई देशों की अर्थव्यवस्था, डालर की मूल्य वृद्धि के कारण लड़खड़ा रही है। डालर के कारण कई देश जरूरी चीजों का आयात नहीं कर पा रहे हैं। जिसके कारण उन देशों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया है।

अमेरिका ने जिस तरह से रूस पर पाबंदी लगाकर रूस को वित्तीय संकट में डाल दिया था। प्रतिबंध का असर रूस के आम नागरिकों को झेलना पड़ा। रूस जैसी महाशक्ति को अमेरिका के प्रतिबंध और डॉलर मैं लेन-देन बंद होने से भारी परेशान हुई। उसके बाद दुनिया के अधिकांश देश भी डालर मुद्रा को लेकर वैकल्पिक उपाय सोचने लगे हैं।दुनिया के कई देशों ने आयात निर्यात के लिए अपने संबंधों के आधार पर उन देशों की मुद्रा स्वीकार करना शुरू कर दी। कुछ प्रतिशत में अन्य मुद्राओं को स्वीकार करना शुरू कर दिया है।

वर्तमान में दुनिया के मुद्रा भंडार में डालर की भागीदारी 59 फ़ीसदी पर पहुंच गई है।1995 की तुलना में यह सबसे निम्न स्तर है।डॉलर को चुनौती देने के लिए डिजिटल मुद्रा ने भीकुछ समय के लिए अपनी धमक बनाई थी।किंतु विश्वसनीयता नहीं होने के कारण विश्व भर के देश डालर के स्थान पर अन्य मुद्राओं को आयात निर्यात के विकल्प के रूप में देख रहे हैं।

रूस और ईरान जैसे देशों ने अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद जिस तरीके से आर्थिक संकट का मुकाबला किया है।डालर मुद्रा के प्रतिबंधों का जवाब अन्य तरीके से देकर उन्होंने अमेरिका को आईना दिखाने का काम किया है। डालर मुद्रा की लगातार मूल्य वृद्धि के कारण अन्य देशों ने भी डालर के मुकाबले अन्य विकल्प अपनाने शुरू कर दिए हैं। जिसके कारण डालर का दबदबा कम होता जा रहा है। अमेरिकी डॉलर के स्थान पर यूरोप,जापान और यूके मुद्रा भी विकल्प के रूप में सामने है। इसी तरह आयात- निर्यात के असंतुलन में अन्य मुद्रा के माध्यम से भुगतान स्वीकार करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। जिसके कारण डालर का दबदबा धीरे-धीरे खत्म होता हुआ, दिख रहा है।

भारत की आस जुड़ी है आशाकर्मियों से

आशा यानि उम्मीद और ये उम्मीद ही है, जिसकी बदौलत हम बहुत कुछ बदल सकते है। अगर उम्मीद है, तो कुछ भी हासिल करना सम्भव है। ऐसा ही कुछ हमारे देश में आशा कार्यकर्ताएं कर रही हैं। उनके कंधे पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है जिसे वो बख़ूबी निभाती भी हैं। इसकी एक बानगी हमें कोरोना काल में देखने को मिली। जब लोगों के भीतर भय का माहौल था, लोग अपनों से ही डर रहे थे कि कहीं जान सांसत में न फंस जाए। तब ये आशा कार्यकर्ताएं अपनी जान की परवाह न करते हुए लोगों की जान बचाने में लगी हुई थी। देखा जाए तो वर्तमान में हमारे देश में दस लाख आशा कार्यकर्ताएं हैं। जो दिन-रात मेहनत कर लोगों के घर-घर तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुँचा रहीं हैं। इनमें से कुछ लाइम-लाइट में अपने काम की वजह से आ जाती हैं तो कुछ गुमनामी में भी अपना काम करती रहती हैं। इसी बीच मध्यप्रदेश के रीवा ज़िले की एक आशा कार्यकर्ता रंजना द्विवेदी काफी सुर्ख़ियों में हैं। उनके सुर्खियों में बने होने का एक सबसे बड़ा कारण उनका समर्पण और अपने कर्तव्य के प्रति वफ़ादारी है। जिसकी बदौलत वो देश-दुनिया में नाम कमा रही हैं और बीते दिनों उनसे अमिताभ बच्चन ने भी चर्चा की। ऐसे में आज हम आशा कार्यकर्ताओं के बारे में और उनके कार्य में आने वाली अड़चनों की बात करते। जो सामाजिक और आर्थिक दोनों प्रकार की होती है।

आज हम भले इक्कीसवीं सदी में जी रहें हैं। जहां चीजें काफ़ी आसान हो गई हैं, लेकिन आशा कार्यकर्ताओं का पेशा अनगिनत दुश्वारियों से होकर आगे बढ़ता है। आशाकर्मी को उचित मेहनताना नहीं मिलता, नर्सों की तरह सम्मान नहीं मिलता। इसके अलावा भी कई अड़चनों से होकर गुजरना पड़ता है। इन सबके बावजूद भी आशाकर्मी कभी आस नहीं छोड़ती और अपने काम में तलीनता के साथ लगी रहती है। रीवा जिले की रंजना के जीवन में आने वाली ही अड़चनों को देख लीजिए। वो रीवा जिले के तरई अंचल के कोनी रुपाली गांव से आती हैं। उन्होंने कोरोना काल जैसी महामारी के बीच हर दिन 7 किलोमीटर न सिर्फ पैदल चलना सुनिश्चित किया, बल्कि नदी पार कर एक छोटे से पहाड़ी गांव गुरगुदा जाती थी। ये गांव तीन तरफ़ से पहाड़ों से घिरा हुआ है, और इस गांव में पहुँचने के लिए नदी तक पार करनी पड़ती है। उन्होंने न केवल इस कठिन सफ़र को तय किया बल्कि ग्रामीण जनता को भी जागरूक करने के लिए कड़ी मेहनत की। उनकी ज़ुबानी में कहें तो एक समय ऐसा भी आया। जब ग्रामीणों ने आशा कार्यकर्ता की बात को अनसुना कर दिया। साथ ही टीकाकरण का भी जमकर विरोध किया लेकिन आशा कार्यकर्ता की हिम्मत और लगन की बदौलत आज गांव में 100 प्रतिशत टीकाकरण हो चुका है। रंजना ने अपने बेटे के साथ मिलकर ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए पोस्टर तक बनाएं। ताकि पोस्टर के जरिए लोगों को समझाया जा सकें और आखिरकार उनकी यह मेहनत रंग लाई।

यह आशाकर्मी रंजना द्विवेदी की अपने काम के प्रति निष्ठा ही है। जिसकी बदौलत उनका चयन विश्व के सर्वश्रेष्ठ 19 महिलाओं में हुआ और वुमन-19 में उन्हें सबसे प्रभावशाली महिलाओं में तीसरा स्थान मिला। यह उपलब्धि उनके लिए और विशेषकर आशाकर्मियों के लिए बहुत मायने रखती है, क्योंकि रंजना न तो कोई सेलिब्रेटी हैं और ना ही उनका कॉरपोरेट जगत से कोई नाता। लेकिन उन्होंने फ़िर भी अपनी लगन और जज़्बे के दम पर जो मुकाम हासिल किया वह काबिलेतारीफ है। किसी ने सच ही कहा है कि इंसान चाहें तो अपनी मेहनत और क़िस्मत से क्या कुछ नहीं हासिल कर सकता। कोरोना काल में रंजना द्वारा किए गए साहसिक कार्य के लिए अमेरिकी संस्था एनपीआर ने उन्हें न केवल अपने सर्वे में शामिल किया। बल्कि 19 प्रभावशाली महिलाओं में तीसरा स्थान भी दिया। एक कहावत है कि लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती। कुछ ऐसी ही मिसाल रंजना द्विवेदी ने भी पेश की है। वह 7 किलोमीटर के पैदल सफ़र में न ही डकैतों से डरी न ही जंगली जानवरों का भय सताया। यहां तक कि गांव पहुंचने के लिए नदी तक को पार किया। तमाम चुनौतियों के बाद भी रंजना का समाज सेवा के प्रति जज़्बा कम नहीं हुआ। उनके इस जज़्बे को आज पूरी दुनिया सलाम कर रही है।

वैसे यह कोई पहला सुखद वाकया नहीं। जब किसी आशा कार्यकर्ता के साहसिक कार्य की सराहना की जा रही हो। इससे पहले भी ओडिशा की एक महिला आशा कार्यकर्ता मतिल्दा कुल्लू ने फ़ोर्ब्स मैगजीन की शोभा अपने काम के प्रति समर्पण से बढ़ाई थी। बता दें कि 45 वर्षीय मतिल्दा कुल्लू आदिवासी बाहुल्य सुंदरगढ़ ज़िले के गरगड़बहल गांव की रहने वाली हैं और वह बीते 15 सालों से अधिक समय से एक सरकारी स्वास्थ्य कार्यकर्ता यानी आशा के रूप में काम कर रही हैं। आशा कार्यकर्ता का ज़िक्र होते ही हमारे मन में कई सवाल आते है। आशा कार्यकर्ताओं की दयनीय स्थिति किसी से छिपी नहीं है। स्वास्थ्य और जागरूकता के क्षेत्र में इससे जुड़ी महिलाएं समाज की एक बड़ी जिम्मेदारी उठाती हैं, लेकिन न उन्हें उनके काम के एवज़ में वेतनमान मिल पाता और न ही सरकारी सुविधाएं। जो हमारे देश का एक सबसे बड़ा दुर्भाग्य है। मालूम हो कि जब सालों पहले मतिल्दा ने एक आशा कार्यकर्ता के रूप में अपना काम करना शुरू किया था। उस दरमियान उनके गांव का कोई व्यक्ति अस्पताल नहीं जाता था। इतना ही नहीं अंधविश्वास में विश्वास तो जैसे हमारे देश का जन्मसिद्ध अधिकार है और इससे आज भी हमारा समाज पीछा नहीं छुड़ा पाया है। आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में जब भी कोई व्यक्ति बीमार होता है तो वह इलाज़ के लिए डॉक्टर के पास न जाकर काला जादू या फ़िर अंधविश्वासों का सहारा लेता है। यहां तक कि कोरोना काल और कोरोना वैक्सिनेशन को लेकर हमारे देश में भ्रांतियां और अंधविश्वास देखने को मिला। उसे भला कौन भूल सकता है? किस तरह आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में कोरोना वैक्सीन लगाने गए डॉक्टरों को डंडों से पीट कर भगाया गया था, यह जगजाहिर है। ऐसे में मतिल्दा कुल्लू लगातार अपने आसपास के ग्रामीणों को शिक्षित करने में लगी रही। उनकी मेहनत वर्षों बीत जाने के बाद रंग लाई और अब ग्रामीण बीमार पड़ने पर मतिल्दा के पास आते हैं। इतना ही नहीं उनसे सलाह-मशविरा भी लेते है।

गौरतलब हो कि कोरोना महामारी के दौरान जब दुनिया कराह रही थी। तब भी रंजना द्विवेदी और मतिल्दा कुल्लू जैसी महिलाओं ने अपने-अपने क्षेत्र में बेहतरीन काम किया और अपने इलाके में टीकाकरण के काम में जी-जान से मेहनत की। कोरोना महामारी के दौर में रंजना द्विवेदी पैदल सफर तय कर ग्रामीणों को जागरूक कर रही थी तो वहीं मतिल्दा ने भी प्रतिदिन 50-60 घरों में जा कर कोरोनो महामारी में लोगों को जागरूक किया और लोगों के टेस्ट करती रही। मात्र 4500 रुपए कमाने वाली मतिल्दा कुल्लू ने अपना जीवन बारागाँव तहसील के 964 लोगों की देखभाल के लिए समर्पित कर दिया है और मतिल्दा इन लोगों के लिए कोरोना वॉरियर्स बनकर उभरी। मतिल्दा का कहना है कि उन्हें अपने काम पर गर्व है क्योंकि इससे वह लोगों की जान बचा पाती हैं। मतिल्दा ने आगे कहा कि, ठशुरुआती सफर काफ़ी संघर्षपूर्ण रहा क्योंकि बीमार होने पर यहाँ के लोग अस्पताल नहीं जाते थे। इसके अलावा जब मैं उनसे अस्पताल से इलाज कराने के लिए कहती थी तो वो मेरा मजाक उड़ाते थे। लेकिन धीरे-धीरे समय बीतता गया और लोगों ने मेरी बातों को एकाग्रता से लेना शुरु किया और अब गाँव वाले अपनी सेहत के लिए जागरुक हो गए हैं। हर छोटी-छोटी बीमारी का इलाज कराने वे अस्पताल पहुँचते हैं।'' वहीं बात करें तो मतिल्दा के आसपास ज्यादातर आदिवासी रहते हैं और मतिल्दा का अपना चार लोगों का परिवार है। वह शिशु के जन्म से लेकर, बच्चों के टीकाकरण तक, गर्भवती महिलाओं से लेकर कोरोना पीड़ित तक को स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में लगातार तत्पर रहती हैं। ऐसे में सच पूछिए तो वह सच्चे अर्थों में लाखों लोगों के लिए प्रेरणास्त्रोत है और उन्होंने अपनी मेहनत और लगन के बल पर सफलता की एक नई कहानी अभावों और अंधविश्वास के बीच रहते हुए लिखी है। ऐसे में उनका नाम फोर्ब्स मैगजीन में शामिल होना सुखद एहसास दिलाता है। वहीं मालूम हो कि अनुसूचित जनजाति से आने वाली मतिल्दा बीमारों के लिए उचित चिकित्सा सुनिश्चित करने के साथ ही, घर-घर जाकर जातिवाद और छुआछूत के खिलाफ भी लड़ाई लड़ती रही है। ऐसे में ये समाज के लिए एक प्रेरणास्त्रोत है। रंजना के लिए भी आशा कार्यकर्ता के रूप में काम करना किसी चुनौती से कम नहीं था, एक साल तक लोगों के बीच जाकर वह अपनी बात समझाती रही। तब कहीं जाकर ग्रामीणों ने उनकी बात सुनना शुरू किया। ये आशा कार्यकर्ता ही हैं जो ग्रामीण क्षेत्रों में जन जागरूकता की अलख जगा रही है। ऐसे में अब हमारी सरकारों को भी आशा कार्यकर्ताओं की समस्याओं को समझना चाहिए। साथ ही रंजन और मतिल्दा जैसी महिलाओं को प्रोत्साहन देना चाहिए ताकि एक बेहतर समाज के निर्माण में आधी आबादी की भागीदारी भी व्यापक स्तर पर सुनिश्चित हो सके, तभी कहीं न कहीं देश के भीतर बराबरी की भावना पनप पाएगी और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा। वरना कुछ समय पहले ही मध्यप्रदेश में ही आशाकर्मी अपना हक मांगने के लिए सड़कों पर थी और सरकार मौन धारण किए हुए थी। (लेखक- सोनम लववंशी / ईएमएस) (स्वतंत्र लेखिका एवं शोधार्थी)

महान सनातन भारतीय संस्कृति ही इस देश का मूल आधार हैं

किसी भी राष्ट्र के मूल में कुछ तत्व निहित होते हैं, जिनके बल पर वह देश आगे बढ़ता है और समाज के विभिन्न वर्गों को एकता के सूत्र में पिरोए रखता है। भारत के एक राष्ट्र के रूप में, इसके मूल में, सनातन हिंदू संस्कृति का आधार है जो हजारों वर्षों से भारत को आज भी भारत के मूल रूप में ही जीवित रखे हुए है। अन्यथा, पिछले लगभग 1000 वर्षों में भारत को तोड़ने के लिए अरब के आक्रांताओं और अंग्रेजों के द्वारा अनेकानेक प्रयास किए गए हैं। अरब के आक्रांताओं एवं अंग्रेजों ने बहुत अधिक प्रयास किए कि किसी तरह भारतीय मूल संस्कृति को तहस नहस किया जाय, शिक्षा पद्धति को ध्वस्त किया जाय, बलात हिंदुओं का धर्म परिवर्तन किया जाय, आदि आदि। इन प्रयासों में उन्हें कुछ सफलता तो अवश्य मिली परंतु पूर्ण रूप से भारतीय संस्कृति को समाप्त नहीं कर पाए। जबकि कई अन्य देशों (ईरान, लेबनान, इंडोनेशिया, मिस्त्र, ग्रीक आदि) में इनके यही प्रयास पूर्ण रूप से सफल रहे एवं वहां के लगभग सम्पूर्ण नागरिकों को इस्लाम में परिवर्तित करने में वे सफल रहे। भारत में चूंकि सनातन हिंदू धर्म का बोलबाला है अतः यहां इन तत्वों को आज तक सफलता नहीं मिली है हालांकि इनके प्रयास अभी भी जारी हैं।

अंग्रेजों ने जब भारत पर शासन करना प्रारम्भ किया तो उनका अज्ञानतावश यह सोच था कि यहां के नागरिक कुछ जानते ही नहीं है और इनकी विज्ञान के प्रति कोई समझ ही नहीं है।उनका यह भी सोच था कि हिन्दुस्तान कई राज्यों का एक समूह है और यह एक राष्ट्र नहीं है। भारत कभी एक राष्ट्र नहीं रहा है, ना ही अभी यह एक राष्ट्र है और न ही कभी भविष्य में यह एक राष्ट्र रह पाएगा। क्योंकि यहां तो विभिन्न राजा राज्य करते हैं और उनके राज्यों की अलग अलग भौगोलिक सीमाएं हैं इसलिए भारत का एक राष्ट्र् के रूप में कभी अस्तित्व ही नहीं रहा है। अंग्रेज यह भी मानते थे कि पूरे भारत के लोग एक हो जाएंगे यह कभी सम्भव ही नहीं है।

अंग्रेज अहंकारवश भारतीयों को अनपढ़, असभ्य एवं रूढ़िवादी तक कहते थे। उनकी नजरों में भारतीयों की कोई एतिहासिक उपलब्धि नहीं है एवं भारत के बर्बर, जंगली लोगों को सभ्यता सिखाने का दायित्व हमारा (अंग्रेजों का) है। भारत के लोग प्रशासन करने के अयोग्य है। किसी कारण से यदि भारत को स्वतंत्र राष्ट्र् का दर्जा दे दिया तो इस देश की बर्बादी सुनिश्चित है और फिर इसकी जवाबदारी हमारी (अंग्रेजों की) होगी। उनको विशेष रूप से हिंदुओं से बहुत डर लगता था और वे हिंदुओं से सावधान रहने की आवश्यकता पर बल दिया करते थे। उनका सोच था कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत बहुत जल्दी बर्बाद हो जाएगा। भारत में लोकतंत्र जीवित नहीं रह सकता, यह बहुत ही अस्वाभाविक राज्य है। भारत आजाद होते ही कई टुकड़ों में बिखर जाएगा क्योंकि यहां 52 करोड़ लोग हैं एवं इनकी अलग अलग भाषाएं हैं ये आपस में लड़ते रहते हैं और कभी भी एक नहीं रह पाएंगे। भारत आजादी के बाद पूरी दुनिया के लिए एक भार बन जाएगा एवं यहां के नागरिक भूख से ही मर जाएगे। उक्त सोच ब्रिटेन, अमेरिका, लगभग समस्त यूरोपीय देशों सहित कई देशों की भी थी।

आज भी आतंकवादी संगठन एवं विदेशी ताकतें जो भारत को अस्थिर करना चाहते हैं वे इसी परिकल्पना पर अपना कार्य प्रारम्भ करते हैं एवं समाज के विभिन्न वर्गों को आपस में लड़ाने का प्रयास करते नजर आते हैं।

उक्त वर्णित देशों की यह सोच इसलिए थी क्योंकि उनके पास हिंदू सनातन संस्कृति का कोई ज्ञान नहीं था बल्कि उनकी अपनी पश्चिम रंग में रची बसी सोच थी जो केवल ''मैं'' में विश्वास करती थी उनके लिए देश मतलब केवल भौगोलिक सीमाओं वाला जमीन का टुकड़ा और उस जमीन के टुकड़े पर रहने वाले लोग ही विशेष हैं। उनके सोच में अहम का भाव कूट कूट कर भरा है। केवल मैं ही श्रेष्ठ हूं। इस दुनिया में रहने वाले बाकी सभी लोग हमसे हीन हैं। जर्मन लोगों ने अपना एक विशेष दर्शन शास्त्र दुनिया के सामने रखा जिसमें उन्होंने किसी और दर्शन को स्वीकार न करते हुए केवल अपने दर्शन को ही श्रेयस्कर माना एवं अहंकार का भाव जाहिर किया। जर्मन, ेंच से भिन्न हैं। यूरोप में प्रत्येक देश ने अपने आप को दूसरे देश से बिलकुल अलग रखा हुआ है। पश्चिम का राष्ट्रवाद एकांतिक है इसमें समावेशिता का नितांत अभाव है। इसीलिए आज रूस, यूक्रेन के साथ लड़ रहा है तो जर्मनी की ान्स के साथ नहीं बनती है। इसी प्रकार यूरोप के लगभग सभी देशों के आपसी विचारों में किसी न किसी प्रकार की भिन्नता दृष्टिगोचर होती रहती है। जबकि यह लगभग सभी देश ईसाई धर्म को मानने वाले देश हैं।

आज कई इस्लामी देश भी पश्चिमी सोच की राह पर चलते हुए दिखाई दे रहे हैं कि केवल हमारा धर्म ही श्रेष्ठ है। इस धरा पर जो भी इस्लाम को नहीं मानता हैं वह काफिर है और उसे जीने का हक नहीं हैं। काफिर या तो इस्लाम को कबूल करे अथवा वह मार दिया जाएगा। और तो और इस्लामी देशों में भी अलग अलग किस्म के कई फिर्के आपस में ही लड़ते झगड़ते रहते हैं एवं एक दूसरे को अपने से श्रेष्ठ सिद्ध करने की कोशिश में लगे रहते हैं।

जबकि भारतीय विचारधारा इसके ठीक विपरीत आचरण करना सिखाती है विशेष रूप से सनातन हिंदू संस्कृति में जो व्यक्ति जितना विशेष होगा वह उतना ही विनयपूर्ण होगा और इस नाते भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति अविभाजनकारी दर्शन पर चलकर सर्वसमावेशी है। इसमें ईश्वरीय भाव जाहिर होता है। जो मेरे अंदर है वही आपके अंदर भी है अर्थात मुझमें भी ईश्वर है और आपमें भी ईश्वर का वास है। इस प्रकार प्रत्येक भारतीय, चाहे वह किसी भी जाति का हो, किसी भी मत, पंथ को मानने वाला हो, अपने आप को भारत माता का सपूत कहने में गर्व का अनुभव करता है। और, इसलिए भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति अन्य संस्कृतियों को भी अपने आप में आत्मसात करने की क्षमता रखती है। इतिहास में इस प्रकार के कई उदाहरण दिखाई देते हैं। जैसे पारसी आज अपने मूल देश में नहीं बच पाए हैं लेकिन भारत में वे रच बस गए हैं। इसी प्रकार इस्लाम धर्म को मानने वाले लगभग सभी फिर्के भारत में निवास करते हैं जबकि विश्व के कई इस्लामी देशों में केवल एक विशेष प्रकार के फिर्के पाए जाते हैं।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद, अंग्रेजों एवं अन्य कई देशों की सोच के ठीक विपरीत, विभिन्न मत, पंथों को मानने वाले भारतीय 26 विभिन्न राष्ट्रीय भाषाओं के साथ न केवल सफलतापूर्वक एक दूसरे के साथ तालमेल बिठाकर आनंद में रह रहे हैं बल्कि आज भारतीय लोकतंत्र पूरे विश्व में सबसे बड़े मजबूत लोकतंत्र के रूप में अपना स्थान बना चुका है। यह केवल सनातन हिंदू संस्कृति के कारण ही सम्भव हो सका है। सनातन हिंदू संस्कृति में एकात्मता का भाव मुख्य रूप से झलकता है। अतः वर्तमान में आतंकवादियों एवं अन्य कई देशों द्वारा भारत में अस्थिरता फैलाने के जो प्रयास किए जा रहे हैं उन्हें भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति के दर्शन को अपनाकर ही पूर्णतः दबाया जा सकता है एवं इसलिए आज सामाजिक समरसता की देश में सबसे अधिक महती आवश्यकता है। इसके भी आगे जाकर आज भारतीय मुस्लिमों के लिए पूरे विश्व के सामने भारतीयता की पहचान कराने का समय आ गया है एवं भारतीय संस्कृति में रचे बसे इस्लाम के चेहरे को पूरे विश्व के सामने लाना चाहिए ताकि पूरे विश्व से आतंकवाद का सफाया किया जा सके। वैसे हाल ही के समय में कई देशों यथा, जापान, रूस, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इंडोनेशिया आदि आदि में भारतीय संस्कृति के प्रति रूझान बढ़ता जा रहा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परमपूज्य सर संघचालक श्री मोहन भागवत जी भी कहते हैं कि ''हमारे यहां (भारत में) सब बातों में अपनापन देखने की प्रवृत्ति है। अपनापन देखने की प्रवृत्ति से दुनिया का भला होता है। अलगाव देखने की प्रवृत्ति से दुनिया में कलह होती है, शोषण होता है, अन्याय होता है, युद्ध होते हैं, पर्यावरण की हानि होती है। इसलिए सनातन धर्म की सबको अपना मानने की प्रवृत्ति जो धर्म है, उसकी रक्षा के लिए भारत का निर्माण हुआ है।''

अब तो विश्व के कई विकसित देशों को भी यह आभास होने लगा है कि भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति इस धरा पर सबसे पुरानी संस्कृतियों में एक है और भारतीय वेदों, पुराणों एवं पुरातन ग्रंथों में लिखी गई बातें कई मायनों में सही पाई जा रही हैं। इन पर विश्व के कई बड़े बड़े विश्वविद्यालयों में शोध किए जाने के बाद ही यह तथ्य सामने आ रहे है। (लेखक-- प्रहलाद सबनानी / ईएमएस)(सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है। शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की।

आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रांत सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है। यदि दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़ एवं गाली-गलौज के रूप में भी सामने आ सकती है। मन में जब सद्विचार भरे रहेंगे तो कुविचार भी कोई दूसरा रास्ता टटोलेंगे। रोटी और पानी जिस प्रकार शरीर की सुरक्षा और परिपुष्टि के लिए आवश्यक हैं उसी प्रकार आत्मिक स्थिरता और प्रगति के लिए सद्विचारों, सद्भावों की प्रचुर मात्रा उपलब्ध होनी ही चाहिए। युग निर्माण के लिए, आत्म निर्माण के लिए वह प्रधान साधन है। संकल्प की, मन की शुद्धि के लिए इसे ही दवा माना गया है।

ईएमएस फीचर

आज का इतिहास 02 सितम्बर

1573 अकबर ने गुजरात फतह किया.

1666 लंदन में भीषण आग की शुरूआत हुई और पांच दिन में पूरा शहर तबाह हो गया.

1841 जापान के युवराज हिराबुमि इतो का जन्म.

1865 इंग्लैंड का माओरी युद्ध समाप्त हुआ.

1877 जापान ने सत्सुमा विद्रोह दबाया गया.

1926 इटली और यमन में हुआ समझौते के तहत लाल सागर तट पर इटली का वर्चस्व कायम हुआ.

1945 स्वतंत्र वियतनाम गणराज्य की स्थापना हो ची मिन्ह ने की.

1949 संयुक्त राष्ट्र आयोग ने कोरिया में गृहयुद्ध भड़कने की चेतावनी दी.

1962 सोवियत संघ क्यूबा को हथियार देने पर राजी हुआ.

1970 कन्याकुमारी में विवेकानंद स्मारक का उद्घाटन हुआ.

1990 काला सागर में सोवियत यात्री जहाज के डूबने से 79 यात्री मारे गए व 319 अन्य लापता हो गए.

1992 सऊदी अरब ने ऐलान किया कि वह अपनी जमीन से इराक पर हमले की अनुमति नहीं देगा.

2004 गोधरा हादसे की जांच के लिए उच्चस्तरीय यू.सी.बनर्जी समिति का गठन. ऑस्ट्रेलिया में गिरफ्तार किए गए भारतीय डॉक्टर हनीफ को जेल से रिया किया.

शब्द पहेली - 7395

बाएँ से दाएँ

1.कृष्ण का एक नाम-4,3
6.धन,संपत्ति-2
7.इस युवती को बयान बदलने पर जेल की सजा हुई है-3
8.विजय,फतह-2
10.आम जनता,लोग-2
11.लाभ,कुल योग-2
13.निर्माण,कृति-3
14.उत्तर-3
15.नष्ट,विनाश-2
17.रुस्तमे हिंद का सिर्फ नाम-2
18.तह,अस्तर-2
20.राजी होना-3
21.अवरोध,रुकावट-2
22.आतंक फैलना-4,3

ऊपर से नीचे

2.भिड़ंत,मुठभेड़-3
3.इस्लामी महीना-4
4.हाथी,गज-4
5.न्यायाधीश-2
6.जोरदार-5
9.लालसी,आकांक्षी, पिपासु-5
10.स्त्रीत्वपूर्ण,स्त्रीय-3
12.वृतांत,घटना-3
16.हल,निष्कर्ष-4
17.राशन,भोजन-4
19.घोड़ा गाड़ी-2
21.रुकावट,अवरोध-3

शब्द पहेली -7394 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

विराट के अर्धशतक पर आईपीएल टीमों ने मनायी खुशी

मुम्बई (ईएमएस)। टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने लंबे समय के बाद अर्धशतक लगाया है। यह टी20 क्रिकेट में विराट का 31वां अर्धशतक था। विराट ने एशिया कप में हांगकांग के खिलाफ यह अर्धशतक लगाया है। ऐसे में उनकी इस शानदार पारी की खुशी सभी आईपीएल टीमों ने भी मनायी है। विराट की आईपीएल टीम

रॉयल चैलैंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) ने ट्वीट किया, विराट ने बनाया अपना 31वां टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक! तालियों के इमोजी। विराट लंबे समय तक आरसीबी के कप्तान रहे हैं हालांकि वह टीम को खिताब नहीं जिता पाये।

वहीं सबसे ज्यादा बार आईपीएल विजेता रही मुंबई इंडियंस ने विराट की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, कोहली का शानदार अर्धशतक। इसके साथ ही उन्होंने ताली का इमोजी भी बनाया। वहीं एक अन्य टीम पंजाब किंग्स ने भी विराट कोहली की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 50 महान शख्स के लिए। किंग्स ने विराट का नाम लिखकर हाथ जोड़ने का एक इमोजी भी बनाया। इसके अलावा आईपीएल के 15 वें सत्र की विजेता टीम गुजरात टाइटन्स ने भी विराट के अर्धशतक का शानदार जश्न मनाते हुए लिखा, एक और टी20 अंतरराष्ट्रीय 50 किंग के लिए।

वहीं सनराइजर्स हैदराबाद ने ट्वीट करते हुए लिखा, विराट का 31वां टी20 अर्धशतक। इसके अलावा कोलकाता नाइट राइडर्स ने ट्वीट किया, विराट वही कर रहे हैं जो वह सबसे अच्छा करते हैं। इसके साथ ही उन्होंने विराट की शॉट खेलते हुए की एक तस्वीर भी साझा की। चेन्नई सुपर किंग्स ने भी विराट के अर्धशतक की खुशी अपने ट्विटर पर मनायी। उन्होंने विराट की तारीफ करते हुए ट्वीट किया, शब्दों के विराट! जब शब्द विफल हो जाते हैं, तो सीटी बज जाती है।

आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स ने विराट के अर्धशतक पर ट्वीट करते हुए लिखा , यह हुई ना बात। इसके साथ ही उन्होंने ताली का इमोजी और दिल का इमोजी भी बनाया है।

हांगकांग और मकाऊ ओपन रद्द

कुआलालंपुर (ईएमएस)। कोरोना संक्रमण के खतरे के कारण हांगकांग ओपन सुपर 500 ओर मकाउ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट रद्द हो गये हैं। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने इन दोनो ही टूर्नामेंटों को रद्द किये जाने की घोषणा करते हुए कहा कि खिलाड़ियों और दर्शकों की सेहत से समझौता नहीं किया जा सकता है। इसके साथ ही कहा कि इन दोनो ही देशों में कोरोना संक्रमण के कारण कड़े प्रतिबंध लगे हैं जिसको देखते हुए टूर्नामेंटों के आयोजन में कई प्रकार की समस्याएं आ रहीं थीं। मकाउ ओपन जहां एक से छह नवंबर जबकि हांगकांग ओपन का आयोजन आठ से 13 नवंबर के बीच होना तय हुआ था। बीडब्ल्यूएफ के अनुसार इन दोनो ही देशों के बैडमिंटन संघों को बता दिया गया है इन हालातों में टूर्नामेंटों का आयोजन संभवन नहीं है। साथ ही कहा कि इस सप्ताह होने वाले जापान ओपन के बाद विश्व टूर के शेष मैच अगले माह अक्टूबर में यूरोप में आयोजित किये जाएंगे। ये मैच डेनमार्क, फ्रांस और जर्मनी में खेले जाएंगे।

एशिया कप में रविवार को फिर हो सकता है भारत-पाक महामुकाबला

दुबई (ईएमएस)। एशिया कप में हांगकांग पर जीत के साथ ही भारतीय टीम ग्रुप ए से सुपर 4 में पहुंचने वाली दूसरी टीम बन गयी है। वहीं ग्रुप बी से अफगानिस्तान पहले ही सुपर-4 में पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने पहले मुकाबले में पाकिस्तान को हराया था। वहीं अफगानिस्तान ने बांग्लादेश और श्रीलंका का हराया है। अब भारतीय टीम का मुकाबला रविवार को पाकिस्तान से होना तय नजर आ रहा है क्योंकि इससे पहले पाक टीम को शुक्रवार को हांगकांग से खेलना है और हांगकांग की टीम इसमें अलटफेर कर सकें इसकी संभावनाएं नहीं के बराबरी हैं। ऐसे में पाक टीम हांगकांग पर जीत के साथ ही सुपर-4 में भारत से खेलने की दावेदार बन जाएगी। दोनो देशों के बीच होने वाले मुकाबले बेहद रोमांचक होते हैं। ऐसे में प्रशंसकों को इस मैच का भी बेसब्री से भी इंतजार रहेगा। भारतीय टीम जहां इस मैच में एक और जीत दर्ज करना चाहेगी। वहीं पाक टीम अपनी पिछली हार का हिसाब बराबर करने उतरेगी। दोनो देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के कारण इनकी टीमों का मुकाबला आईसीसी टूर्नामेंटों में ही होता है और द्विपक्षीय सीरीज नहीं होती है। जिससे इन मुकाबलों को लेकर प्रशंसकों का उत्साह ओर भी बढ़ जाता है।

ग्रुप ए में भारत और पाकिस्तान के अलावा तीसरी टीम हांगकांग है। नई टीम होने के कारण हांगकांग कमजोर है। भारतीय टीम ने जिस प्रकार उसे आसानी से हराया है। उसको देखते हुए हांगकांग से पाक टीम को जीत में शायद ही कोई परेशानी हो।

एशिया कप 2022ः सुपर फोर मुकाबलेः

3 सितंबरः बी1 बनाम बी2, शारजाह – शाम 7:30 बजे (भारतीय समयानुसार)
4 सितंबरः ए1 बनाम ए 2, दुबई – शाम 7:30 बजे (भारतीय समयानुसार)
6 सितंबरः ए1 बनाम बी1, दुबई – शाम 7:30 बजे (भारतीय समयानुसार)
7 सितंबरः ए2, बनाम बी2, दुबई – शाम 7:30 बजे (भारतीय समयानुसार)
8 सितंबरः ए1 बनाम बी2, दुबई – शाम 7:30 बजे (भारतीय समयानुसार)
9 सितंबरः बी1बनाम ए2, दुबई- शाम 7:30 बजे(भारतीय समयानुसार)

फाइनलः

11 सितंबरः फाइनल, दुबई- शाम 7:30 बजे (भारतीय समयानुसार)।

दोनो टीमें इस प्रकार हैं :

भारतीय टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुडा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पंडया, रवींद्र जडेजा, आर अश्विन, युजवेंद्र चहल, रवि बिश्नोई, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह और आवेश खान.

पाकिस्तान टीमः बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान (उपकप्तान), आसिफ अली, फखर जमां, हैदर अली, हारिस रऊफ, इफ्तिखार अहमद, खुशदिल शाह, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान, नसीम शाह, शाहबाज धानी और उस्मान कादिर।

अपेक्षा विश्व जूनियर तैराकी चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बनी

लीमा (ईएमएस)। भारत की अपेक्षा फर्नांडीस पेरू में जारी विश्व जूनियर तैराकी चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची हैं। अपेक्षा महिलाओं की 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा के फाइनल में दो मिनट 19.14 सेकंड का समय निकालने के साथ ही आठवें स्थान पर रही। अपेक्षा ने इससे पहले क्वालीफाइंग दौर में दो मिनट 18.18 सेकंड का समय निकालकर अपने ही सर्वश्रेष्ठ समय में सुधार किया था। इस प्रकार वह किसी विश्व प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी हैं।

इस भारतीय खिलाड़ी का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दो मिनट 18.39 सेकंड रहा था पर इसे अभी तक भारतीय तैराकी महासंघ से मान्यता नहीं मिली है।

गौरतलब है कि तैराकी में किसी समय को राष्ट्रीय रिकॉर्ड तभी माना जाता है जब इसे राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में बनाया गया हो जबकि अन्य प्रतियोगिताओं में निकाले गए समय को सबसे बेहतर भारतीय समय माना जाता है। वहीं पुरुषों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में भारत के ही वेदांत माधवन को सही शुरुआत नहीं होने के कारण अयोग्य घोषित कर दिए गए जबकि एक अन्य खिलाड़ी संभव रामा राव फाइनल के लिए क्वालीफाई ही नहीं कर पाये।

ऑस्ट्रेलिया ने टी20 विश्वकप के लिए घोषित की टीम , टिम भी शामिल

सिडनी (ईएमएस)। मेजबान ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। ऑस्ट्रेलिया की इस 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी आरोन फिंच करेंगे जबकि पैट कमिंस को उप कप्तान बनाया गया है। इस टीम में सिंगापुर मूल के ऑलराउंडर टिम डेविड को भी शामिल किया गया है।

इस बार ऑस्ट्रेलियाई टीम में मिचेल स्वेपसन को जगह नहीं मिली है। उनकी जगह टिम को मिली है। टीम को टीम में जगह देने की मांग पूर्व क्रिकटरों रिकी पॉन्टिंग, शेन वॉटसन और ब्रैड हॉग ने की थी।

गौरतलब है कि टिम ने साल 2020 तक सिंगापुर की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय खेला है। इसके बाद से ही वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर रहे हैं हालांकि उन्होंने आईपीएल सहित कई टी20 लीग में शानदार प्रदर्शन किया है। साल 2021 में वह रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) टीम में शामिल थे। वहीं इस साल उन्हें मुंबई इंडियंस ने 8.25 करोड़ की राशि देकर अपनी टीम में शामिल किया है। टिम ने सिंगापुर की तरफ से 14 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने 46.50 की औसत और 158 की स्ट्राइक रेट से 558 रन बनाए हैं। उनके नाम चार अर्धशतक हैं। इसके अलावा टीम ने पांच विकेट भी लिए हैं।

ऑस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप टीम इस प्रकार है: आरोन फिंच (कप्तान), पैट कमिंस (उप कप्तान), एश्टन एगर, टिम डेविड, जोश हेजलवुड, जोश इंग्लिंश, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल. केन रिचर्डसन, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वॉर्नर और एडम जंपा।

स्वेज नहर में फिर फंसा जहाज, अधिकारियों ने पांच घंटे की मेहनत से निकाला

काहिरा (ईएमएस)। मिस्र की स्वेज नहर फिर चर्चा में आ गई है। फिर इसके सुर्खियों में आने की वजह एक जहाज है, जो नहर में फंस गया था। मिस्र की स्वेज कैनाल में फंसे एक टैंकर को टग बोट्स की मदद से देर रात निकाल लिया गया। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में बताया कि जहाज ने कैनाल के दक्षिणी हिस्से को ब्लॉक किया था, लेकिन कुछ देर बाद कैनाल में आवागमन दोबारा शुरू हो गया। एसीए की तरफ से फिलहाल घटना के संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

शिप मॉनिटरिंग सर्विस टैंकर ट्रैकर्स के मुताबिक, ऐसा प्रतीत होता है कि अफ्रामैक्स टैंकर एफिनिटी वी ने दक्षिण की ओर बढ़ते वक्त अपना नियंत्रण खो दिया था। टैंकर ट्रैकर्स ने कहा कि जहाज ने अस्थायी रूप से ट्रैफिक को रोक दिया था जो अब दुबारा दक्षिण की ओर बढ़ रहा है। लेकिन इसकी रफ्तार अब धीमे है। इस ऑयल टैंकर पर सिंगापुर का झंडा लगा हुआ था जो नहर के सिंगल लेन स्ट्रेच में फंस गया था और पांच टग बोट की मदद से इस निकाला गया।

स्वेज कैनाल अथॉरिटी के प्रवक्ता के हवाले से कहा कि जहाज स्थानीय समयानुसार शाम करीब 7:15 बजे कैनाल में फंस गया था और लगभग पांच घंटे बाद इस निकाला गया। कैनाल में जहाज के फंसने से लोग इसकारण घबरा गए क्योंकि पिछले साल मार्च में इसी तरह का एक मालवाहक जहाज नहर में फंस गया था जिसने पूरी दुनिया की चिंता को बढ़ा दिया था। लाल सागर और भूमध्य सागर के बीच स्थित स्वेज कैनाल में एवर गिवेन नाम का जहाज सात दिनों तक फंसा रहा था जिससे जलमार्ग बाधित हो गया था और सैकड़ों जहाज पानी में फंस गए थे।

इस घटना के बाद अथॉरिटी ने जलमार्ग के दक्षिणी हिस्से को गहरा और चौड़ा करने पर काम शुरू कर दिया था, जहां एवर गिवेन फंस गया था। आधिकारिक आंकड़े के अनुसार स्वेज नहर से मात्रा के हिसाब से दुनिया का करीब 12 प्रतिशत व्यापार होता है। लेकिन जहाजों के जरिए माल ढुलाई के दैनिक परिवहन के आधार पर इसकी हिस्सेदारी 30 प्रतिशत है। इस लिहाज से यह यूरोप और एशिया के बीच व्यापार के लिए महत्वपूर्ण मार्ग है। साल 2020 में नहर से करीब 19,000 जहाज गुजरे थे।

आर्थिक तंगी के चलते रूस के पूर्व राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव पिज्जा ब्रांड का किया था विज्ञापन

मास्को (ईएमएस)। रूस यानि सोवियत संघ के पूर्व राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव अब हमारे बीच नहीं हैं। उनका निधन हो गया वे सोवियत सोशलिस्ट रिपब्लिक (यूएसएसआर) के अंतिम नेता थे। बहुत कम लोगों को यह बात पता होगी कि उन्होंने दो व्यवसायिक विज्ञापन भी किए थे। एक पिज्जा हट और दूसरा ऑस्ट्रिया की फेडरल रेलवे ओबीबी का। इसके अलावा उन्होंने फैशन ब्रांड लुईस विटन के लिए अपनी तस्वीरें इस्तेमाल करने की भी इजाजत दी थी। उनका पिज्जा हट कमर्शियल साल 1998 में आया था। विज्ञापन की शुरूआत पिज्जा हट में बैठे लोगों से होती है।

रेस्तरां में गोर्बाचेव एक बच्चे के साथ पिज्जा खाते नजर आते है। दो ग्राहक गोर्बाचेव की विरासत और सुधारों पर बहस कर रहे होते हैं। पिज्जा खाने वाले में से एक गोर्बाचेव के शासन की बुराई कर रहा होता है तो दूसरा ग्राहक उनकी तारीफ। दोनों ही ग्राहकों के बीच बहस छिड़ी होती है और इसी बीच एक महिला दोनों को रोकती है और कहती है, उनकी वजह से हमारे पास पिज्जा हट जैसी कई चीजें हैं। इसके बाद एक ग्राहक नेता की ओर देखता है और कहता हैं ठजय गोर्बाचेवठ इसी बीच साल 2007 में गोर्बाचेव ने लक्जरी फैशन ब्रांड लुई वुइटन के लिए भी विज्ञापन किया। सोवियत संघ के नेता के रूप में, उन्होंने पेरेस्त्रोइका, ग्लासनोस्त और अत्यधिक शराब पीने पर कार्रवाई जैसे सुधारों की शुरुआत की। उनके सबसे अलोकप्रिय सुधारों में से एक का उद्देश्य अत्यधिक शराब पीने पर अंकुश लगाना था।

पाकिस्तान में बाढ़ ग्रस्त इलाकों में जलजनित बीमारियां का संक्रमण बढ़ा

इस्लामाबाद (ईएमएस)। भीषण बाढ़ आपदा से जूझ रहे पाकिस्तान में प्रभावित इलाकों में जलजनित बीमारियों के फैलने के खतरे के मद्देनजर अधिकारियों ने लोगों तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के प्रयास तेज कर दिए हैं। सरकार द्वारा देश भर में लगाए गए राहत शिविरों में लोग डायरिया, त्वचा संबंधी बीमारियों और आंखों में संक्रमण से प्रभावित हो रहे हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा प्रभावित प्रांतों में से एक सिंध में पिछले 24 घंटे में डायरिया के 90,000 से ज्यादा मामले आए हैं।

एक दिन पहले पाकिस्तान और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बाढ़ प्रभावितों के बीच जलजनित बीमारियों के फैलने पर चिंता प्रकट की थी। पाकिस्तान ने समय पूर्व मॉनसून और भारी बारिश के लिए जलवायु परिवर्तन को मुख्य कारण बताया है। जून के बाद से अचानक आई बाढ़ में 1191 लोगों की मौत हुई है और 313 करोड़ लोग प्रभावित हुए हैं। करीब 10 लाख मकान भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। देश के अधिकांश हिस्सों में बाढ़ का पानी कम होना जा रहा है, लेकिन सिंध प्रांत के दक्षिणी हिस्से में कई जिलों में अब भी पानी नहीं घटा है। बाढ़ से विस्थापित हुए लगभग पांच लाख लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। सिंध के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. अजरा फजल पेचुहो ने कहा कि प्रांत में बाढ़ प्रभावित इलाकों में हजारों लोगों के इलाज के लिए हजारों चिकित्सा शिविर लगाए गए हैं। मोबाइल चिकित्सा इकाइयों को भी तैनात किया गया है। डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि वह डायरिया, हैजा और अन्य संक्रामक रोगों के लिए निगरानी बढ़ा रहा है और स्वास्थ्य केंद्रों को चिकित्सा आपूर्ति प्रदान कर रहा है।

डॉक्टरों का कहना है कि शुरू में ज्यादातर मरीज बाढ़ से सदमाग्रस्त थे। लेकिन, अब डायरिया, त्वचा संक्रमण और अन्य जलजनित बीमारियों से पीड़ित हजारों लोग इलाज करवा रहे हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाली कई गर्भवती महिलाओं को भी जोखिम का सामना करना पड़ा। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के अनुसार, पाकिस्तान में 64 लाख बाढ़ प्रभावित लोगों को मानवीय सहायता की आवश्यकता है। यूएनएफपीए ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगभग 6,50,000 गर्भवती महिलाओं को मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता है, जिनमें से 73,000 के अगले महीने प्रसव होने की संभावना है।

इस बीच, सेना के सहयोग के साथ बचाव टीम ने फंसे हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए अभियान जारी रखा। बचाव टीम ज्यादातर नावों का इस्तेमाल कर रही हैं, लेकिन उन क्षेत्रों से फंसे लोगों को निकालने के लिए हेलिकॉप्टर भी उड़ान भर रहे हैं जहां पुल और सड़कें नष्ट हो गई हैं। कुछ दिन पहले, पाकिस्तान और संयुक्त राष्ट्र ने पाकिस्तान को आपातकालीन कोष के तौर पर 16 करोड़ डॉलर की सहायता की अपील की थी। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को ट्वीट कर पर संयुक्त अरब अमीरात को पांच करोड़ डॉलर के राहत सामान की पहली किश्त देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने तीन करोड़ डॉलर की सहायता की घोषणा करने के लिए अमेरिका को भी धन्यवाद दिया। अब तक, तुर्की, चीन, कतर और सऊदी अरब सहित कई देशों ने पाकिस्तान में बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए राहत सामग्री की खेप भेजी है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में यह गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटी और बैंक शेयरों में बिकवाली से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 770.48 अंक करीब 1.29 फीसदी नीचे आकर 58,766.59 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 216.50 अंक तकरीबन 1.22 फीसदी नीचे आकर 17,542.80 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान बिकवाली हावी होने से आज रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, सन फार्मा, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, एनटीपीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी, पावरग्रिड, बजाज फाइनेंस और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर गिरे। वहीं दूसरी ओर बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल, टाइटन, भारतीय स्टेट बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और इंडसइंड बैंक के शेयर ऊपर आये।

वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कंपोजिट के शेयर गिरे हैं। इसके अलावा यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट दर्ज की गयी। गत दिवस अमेरिकी बाजार नीचे आये थे। वहीं अंतराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड दो फीसदी नीचे आकर 93.73 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

सऊदी अरब में महिला ने किया सोशल मीडिया पर पोस्ट, सुनाई 45 साल की जेल की सजा

रियाद (ईएमएस)। सऊदी अरब में महिला को सोशल मीडिया पर पोस्ट करने की इतनी बड़ी कीमत चुकानी होगी, यह कभी महिला ने सपने में भी नहीं सोचा होगा। दरअसल, सऊदी अरब की अदालत ने उस महिला को सोशल मीडिया पर देश को नुकसान पहुंचाने के आरोप में 45 साल जेल की सजा सुनाई है। एक महीने के अंदर सऊदी अरब में इस तरह का यह दूसरा मामला है। इसके पहले भी एक महिला को इतनी ही साल की सुनाई गई है।

नॉरा बिन्त सईद अल-खातनी को सामाजिक ताने-बाने को अस्थिर करने और समाज के सामंजस्य को बाधित करने के आरोप में लगभग आधी सदी तक जेल में गुजारन होगा। नॉरा देश की सबसे बड़ी जनजातीय समुदाय से ताल्लुक रखती हैं। उनका सामाजिक कार्यकर्ता होने का कोई इतिहास भी नहीं है। कोर्ट में नॉरा पर सोशल मीडिया के इस्तेमाल का आरोप है। कोर्ट के फैसले की मानवाधिकार संस्थाओं ने निंदा की है। मानवाधिकार संगठनों के पूछने पर सऊदी अधिकारियों ने विवरण नहीं दिया। नॉरा को आतंकवादरोधी और साइबरक्राइम कानूनों के तहत सजा सुनाई गई है। जज ने महिला को सार्वजनिक आदेश को सूचना नेटवर्क के माध्यम से उल्लंघन करने का दोषी पाया।

मानवाधिकार संगठन ने कहा है, कि यह साफ नहीं है कि नॉरा ने क्या ऑनलाइन पोस्ट किया था। उसकी सुनवाई वाले स्थान की भी जानकारी नहीं मिली है। संगठन के रिसर्च डायरेक्टर अब्दुल्लाह अलॉध ने कहा, यह नए जजों द्वारा सजा और दोषसिद्धि की एक नई लहर की शुरुआत की तरह है, जिन्हें विशेष आपराधिक अदालत में नियुक्त किया जा रहा है।

पुतिन की कूटनीति का दिखा असर, भारत और चीन रुस के साथ कर रहे सैन्याभ्यास

अमेरिका के लिए बना चिंता का विषय

लंदन (ईएमएस)। रूस में भारत और चीन सहित कई देशों का सैन्याभ्यास चल रहा है। 1 सितंबर से शुरू हुआ यह अभ्यास 7 तारीख तक चलेगा है, जिसमें 50 हजार सैनिक और 5,000 बड़े हथियार शामिल हो रहे हैं। वहीं नहीं 140 एयरक्राफ्ट्स और 60 जंगी जहाज भी इसका हिस्सा ले रहे हैं। रूस के सैन्याभ्यास को यूक्रेन से छिड़ी जंग के बीच दुनिया की बड़ी ताकतों को अपने पाले में लाने की सफल कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। खासतौर पर इस मिलिट्री ड्रिल में भारत और चीन का एक साथ शामिल होना उसके लिए बड़ी कामयाबी है। माना जा रहा है कि रूस इस अभ्यास के जरिए एशिया में अमेरिका के अकेला पड़ने का संकेत देना चाहता है। बता दें कि यूक्रेन मसले पर भारत और चीन दोनों ने ही रूस की आलोचना नहीं की थी।

खासतौर पर भारत की चुप्पी को लेकर अमेरिका और यूरोपीय देशों ने सवाल उठाया था और लोकतंत्र की दुहाई देते हुए समर्थन की मांग की थी। वोस्टोक-2022 वॉर गेम्स के नाम से होने वाली मिलिट्री ड्रिल ने अमेरिका की चिंताओं में इजाफा भी कर दिया है। पिछले दिनों ही अमेरिका ने कहा था कि रूस के साथ किसी भी देश का सैन्याभ्यास में शामिल होना चिंता की बात है। इस मिलिट्री ड्रिल में शंघाई कॉपरेशन ऑर्गेनाइजेशन और रूस के नेतृत्व वाले संगठन एसटीओ में शामिल देश हिस्सा ले रहे हैं। अमेरिका ने बीते कुछ सालों में भारत के साथ अपनी रक्षा साझेदारी बढ़ाई है, लेकिन उसके बाद भी भारतीय सेना का रूस जाना उसके लिए चिंता का सबब हो सकता है।

भारत के अनुसार पाकिस्तान और चीन के साथ निरंतर चल रहे सीमा विवाद और हथियारों के सप्लायर के तौर पर रूस की भूमिका अहम है। रूस के साथ भारत एस-400 मिसाइल डील को पूरा किया है और एक बार फिर से 30 फाइटर जेट्स की खरीद करने जा रहा है। इसके अलावा चीन का कहना है कि उसने अपनी थल, वायु और नौसेना को ड्रिल के लिए भेजा है। चीन ने कहा कि यह ड्रिल खासतौर पर पैसिफिक महासागर में अमेरिकी खतरे से निपटने पर फोकस करेगी। बता दें कि यूक्रेन पर रूसी हमले की एक बार भी चीन ने निंदा नहीं की है। इसके अलावा रूस ने भी ताइवान के मसले पर चीन का ही समर्थन किया है। इस तरह व्लादिमीर पुतिन ने मिलिट्री ड्रिल के बहाने एशिया में एक बड़ी लॉबिंग करने में सफलता पाई है।

सेबी ने साइबर सुरक्षा पर किया उच्च स्तरीय समिति का पुनर्गठन

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने साइबर सुरक्षा पर अपनी उच्चस्तरीय समिति का पुनर्गठन किया है। यह समिति दरअसल पूंजी बाजार को साइबर संबंधी हमलों से बचाने के उपाय सुझाती है। इस समिति में अब छह सदस्य हो गए हैं और इसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना संरक्षण केंद्र (एनसीआईआईपीसी) के महानिदेशक नवीन कुमार सिंह करेंगे। सेबी की तरफ से जारी ताजा जानकारी के अनुसार, इस समिति में पहले केवल चार ही सदस्य थे। समिति में अन्य सदस्यों के रूप में भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल (सीईआरटी-इन) के महानिदेशक संजय बहल और भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी-बेंगलुरु) में मुख्य शोध वैज्ञानिक एन कृष्णमूर्ति को शामिल किया गया हैं।

इस समिति को सेबी के साथ-साथ पूरे पूंजी बाजार के लिए साइबर सुरक्षा पहल की देखरेख और समग्र रास्ता दिखाने का काम सौंपा गया है। इसके अलावा यह समिति सेबी को विश्व की सर्वोत्तम व्यवस्था या व्यवहार तथा उद्योग मानकों के अनुरूप साइबर सुरक्षा आवश्यकताओं को तैयार करने और बनाए रखने में भारतीय पूंजी बाजार संरचना की आवश्यकता के अनुसार सलाह भी देगी।

सोने, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में सोने , चांदी में गिरावट आई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोना 195 रुपये नीचे आकर 50,723 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 50,918 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं सोने की तरह चांदी भी 863 रुपये फिसलकर 52,819 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। इससे पहले गत कारोबारी सत्र में चांदी 53,682 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। अंतराष्ट्रीय बाजार में सोना फिसलकर 1,703 डॉलर प्रति औंस पर था। वहीं दूसरी ओर चांदी 17.73 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर थी। बाजार जानकारों के अनुसार डॉलर में मजबूती से सोना नीचे आया है।

गोर्बाचेव के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होंगे पुतिन, श्रद्धांजलि दी

मॉस्को (ईएमएस)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपने पहले से तय कार्यक्रम के कारण सोवियत संघ के पूर्व राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव के सप्ताहांत में होने वाले अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होने वाले हैं। हालांकि उन्होंने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी है। क्रेमलिन ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने बताया कि पुतिन मॉस्को के उस अस्पताल में गए, जहां गोर्बाचेव की पार्थिव देह को रखा गया है। पुतिन अपने पहले से तय कार्यक्रम के कारण शनिवार को अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो पाएंगे, लेकिन उन्होंने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी है।

ईपीएफ के लिए योग्य हर व्यक्ति ईपीएस के लिए होता है पात्र

- कर्मचारी की मौत के बाद ईपीएस से पेंशन लेने के लिए जमा करने होते हैं कौन से दस्तावेज?

नई दिल्ली (ईएमएस)। ईपीएफ (इंप्लॉइज प्रोविडेंट फंड) के लिए योग्य हर व्यक्ति ईपीएस (इंप्लॉइज प्रोविडेंट स्कीम) के लिए पात्र होता है। इसे भी ईपीएफओ द्वारा ही मैनेज किया जाता है। इस योजना के तहत रिटायरमेंट के बाद खाताधारक को हर महीने की पेंशन, नौकरी के दौरान पूरी तरह विकलांग होने पर पेंशन व कर्मचारी (खाताधारक) की मृत्यु पर परिवार को पेंशन दी जाती है। इस योजना का लाभ लेने के लिए खाताधारक कम-से-कम 10 साल नौकरी में होना चाहिए। इससे 58 वर्ष की आयु के बाद पेंशन मिलना शुरू हो जाती है। आप 50 की आयु में भी इस अकाउंट से पैसा निकालना शुरू कर सकते हैं लेकिन यह पूरी राशि नहीं होगी। अगर आप 60 साल के बाद पेंशन लेते हैं तो तय पेंशन में अतिरिक्त 4 फीसदी रकम मिलेगी। जैसा ?कि हमने आपको बताया इस योजना में कर्मचारी की मृत्यु के बाद परिवार को पेंशन मिलती है तो ऐसे कौन से दस्तावेज हैं जिनकी जरूरत परिवार को पेंशन लेने के लिए पड़ेगी। आइए जानते हैं। आपको मृतक का डेथ सर्टिफिकेट, जिन लोगों को पेंशन की रकम मिलनी है उनकी आधार कार्ड की कॉपी, उनके बैंक खातों की जानकारी, एक ओरिजिनल कैंसिल चेक या बेनिफिशियरी के बैंक पासबुक की अटेस्टेड कॉपी की जरूरत होती है। इसके अलावा अगर बेनिफिशियरी नाबालिग है तो उसका आयु प्रमाण पत्र भी देना होगा।

इस योजना के तहत विधवा, बाल और अनाथ पेंशन मिलती है । विधवा पेंशन में हर महीने 6,200 रुपए तक पेंशन मिल सकती है। इसके तहत न्यूनतम पेंशन अब 1,000 रुपए है। पेंशन की रकम कर्मचारी द्वारा जमा की राशि पर निर्भर करती है। बाल पेंशन तब तक दी जाती है जब तक बच्चे 25 साल के नहीं हो जाते। अगर बच्चे विकलांग हैं तो उन्हें आजीवन पेंशन मिलती है। इसमें विधवा पेंशन का 25 फीसदी भुगतान किया जाता है और यह अधिकतम 2 बच्चों को मिलता है। अनाथ पेंशन भी 25 की उम्र तक मिलती है लेकिन यहां विधवा पेंशन का 75 फीसदी हिस्सा दिया जाता है। नियोक्ता द्वारा बेसिक सैलरी और डीए का 3.67 फीसदी ईपीएफ में जाता है जबकि कर्मचारी द्वारा बेसिक और डीए का 8.33 हिस्सा ईपीएस में भेजा जाता है। इस तरह से कर्मचारी और नियोक्ता की ओर से ईपीएफओ के पास कर्मचारी की सैलरी व डीए का 12 फीसदी ईपीएफओ के पास जमा होता है।

चीन को सबक सिखाने ताइवान कर रहा अपनी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत

ताइपे (ईएमएस)। ड्रैगन के हक जताने के रवैये से परेशान ताइवान अपने सैन्य बल को मजबूती प्रदान करने की कवायद में जुट गया है। एक तरफ जहां चीन लगातार सैन्य अभ्यासों के जरिए ताइवान पर दबाव डालने की कोशिश कर रहा है वहीं दूसरी तरफ ताइवान भी बुरे दौरे के लिए अपने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर रहा है। इसको देखते हुए ही ताइवान ने अपने बजट में 29 हिमारस राकेट और 84 लंबी दूरी के मिसाइल सिस्टम खरीदने का प्रपोजल दिया है। जिन ट्रक माउंट राकेट सिस्टम को इस बार बजट प्रपोजल में रखा गया है पहले इसको केवल 18 ही खरीदने की योजना बनाई गई थी, लेकिन अब चीन के खतरे को देखते हुए इसमें इजाफा किया गया है।

ताइवान ने केवल इन्हीं दो हथियारों की खरीद के लिए सेना को धन आवंटित नहीं किया है, बल्कि इसमें पहले से अधिक एम142 हाई मोबिलिटी आर्टिलरी राकेट सिस्टम लान्चर और 84 एटीएसीएमएस को अमेरिका से खरीदने का भी प्रपोजल बजट में दिया है। पहले ताइवान एम109ए6 पालडिन सेल्फ-प्रोपल्ड होव्त्जर को खरीदने पर विचार कर रहा था। आपको बता दें कि अमेरिका ने यूक्रेन को भी हिमअर्श की सप्लाई की है। रूस से मुकाबले में इनका अच्छा रिजल्ट सामने आ रहा है। बजट में दिए इन प्रपोजल्स पर अब सदन में बहस होगी और फिर इनको पास किया जा सकेगा।

इस बजट प्रपोजल में ताइवान ने चीन के खतरे को देखते हुए लान्ग रेंज गाइडेड मिसाइल सिस्टम और 300 किमी की दूरी तक मार करने वाले हिमअर्श राकेट सिस्टम की भी संख्या में इजाफा किया है। हिमअर्श का इस्तेमाल पिछले वर्ष मोरक्को में सैन्य अभ्यास के दौरान भी किया गया था। ताइवान का इस बार का पूरा बजट करीब 32.5 अरब डालर का है। यदि ताइवान समय पर बजट प्रपोजल को मंजूरी दे देता है और इसके आर्डर कर दिए जाते हैं तो हिमअर्श पहले बैच के 11 राकेट सिस्टम ताइवान को वर्ष 2024 तक हासिल भी हो जाएंगे। सेना की तरफ से इस बजट प्रपोजल में दिए गए हथियारों की खरीद पर कहा गया है कि यदि ये उन्हें हासिल हो जाते हैं तो दुश्मन को अपनी धरती से दूर रखना काफी आसान हो जाएगा। इतना ही नहीं वो जल्दी मदद भी हासिल नहीं कर सकेगा।

हिमअर्श लेकर मन बना रही सेना ने अब 40 पलाडिल्स की खरीद करने से इनकार कर दिया है। इसको लेकर ताइवान के राष्ट्रीय सुरक्षा सुरक्षा ने मई में फैसला लिया था। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि अमेरिका ने इसको समय पर डिलीवर न करने की बात कही थी। अमेरिका का कहना है कि वो इतनी संख्या में इनका उत्पादन कर पाने में समर्थ नहीं है। अमेरिका ने ही इनकी जगह हिमअर्श की खरीद का प्रपोजल ताइवान को दिया था।

ताइवान ने अगले वर्ष के रक्षा बजट को करीब 14 फीसद तक बढ़ाने की बात भी कही है। इस बार ताइवान का रक्षा बजट एनटी (ताइवान न्यू डालर) 70 अरब का है। इस पैसे का इस्तेमाल ताइवान जहाज, वारप्लेन बनाने रिजर्व फोर्स की संख्या बढ़ाने, हथियारों को बनाने और खरीद करने के लिए करेगा। इस बीच ताइवान अमेरिका के बीच एनटी 21.7 अरब की एक डील भी साइन हुई है। ये डील एमक्यू-9बी सी गार्जियन एरियल ड्रोन्स, कंट्रोल स्टेशन और इसके सपोर्ट सिस्टम को लेकर हुई है। इसकी डिलीवरी 2025 में की जाएगी।

भीषण गर्मी में कैलिफोर्निया में बिजली संकट!

- कार को नहीं कर सकते चार्ज, पावर कट की चेतावनी

कैलिफोर्निया (ईएमएस)। अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। रिकॉर्ड तोड़ हीटवेब और मौसम की वर्तमान स्थिति अमेरिका में जलवायु परिवर्तन का ताजा संकेत है। भीषण गर्मी से आम जनजीवन बेहाल है। इधर ग्रिड ऑपरेटर्स की पॉवर कट की चेतावनी लोगों की मुश्किलें और बढ़ा सकती है। ग्रिड ऑपरेटर ने संभावित बिजली संकट की चेतावनी दी है। माना जा रहा है कि इससे ब्लैकआउट हो सकता है। साथ ही लोगों से पीक आवर्स के दौरान इलेक्ट्रिक कारों को चार्ज करने से मना किया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार अधिकारियों ने लोगों से स्थानीय समय के अनुसार शाम 4 से 9 बजे के बीच बिजली बचाने के लिए कहा है। उस समय तापमान 100 डिग्री फॉरेन्हाइट (38 डिग्री सेल्सियस) से ऊपर चला जाता है। साल 2020 की गर्मियों के बाद से कैलिफोर्निया के ग्रिड के लिए यह सबसे बड़ी परीक्षा है। दो साल पहले राज्य के कुछ हिस्सों में गंभीर बिजली संकट पैदा हो गया था। बता दें कि वर्तमान संकट तब आया है, जब यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध यूरोप में ऊर्जा संकट को बढ़ा रहा है। इसके साथ ही दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ रहे रिकॉर्ड तापमान के बीच ग्रिड ऑपरेटर की चेतावनी ने गंभीर संकट को उजागर किया है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गाविन न्यूजोम ने आपातकालीन बिजली आपूर्ति को समाप्त करने के लिए एक आदेश जारी किया है। गवर्नर ने कहा कि यह बहुत स्पष्ट है कि प्रकृति ने हमें पीछे छोड़ दिया है। वास्तविकता यह है कि हम ऐसे युग में रह रहे हैं, जहां भयंकर गर्मी और अत्यधिक सूखा है। ग्रिड ऑपरेटर के अनुसार कैलिफोर्निया में अगले सप्ताह सोमवार और मंगलवार को बिजली की मांग 48 गीगावाट रहने का अनुमान है, जो कि 2017 के बाद से सबसे अधिक मांग होगी।

औद्योगिक क्षेत्र के श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई में घटकर 5.78 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली (ईएमएस)। कुछ खाद्य पदार्थों की कीमत कम होने से औद्योगिक क्षेत्र के कामगारों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई में घटकर 5.78 प्रतिशत रह गई। जून में यह 6.16 प्रतिशत थी। श्रम मंत्रालय ने कहा ?कि मुद्रास्फीति सालाना आधार पर जुलाई, 2022 में 5.78 प्रतिशत रही, जो जून, 2022 में 6.16 प्रतिशत और जुलाई, 2021 में 5.26 प्रतिशत थी। इसी तरह खाद्य मुद्रास्फीति जुलाई, 2022 में 5.96 प्रतिशत रही। जून, 2022 में यह 6.73 प्रतिशत और जुलाई, 2021 में 4.91 प्रतिशत थी। अखिल भारतीय औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई-आईडब्ल्यू) जुलाई, 2022 में 0.7 अंक बढ़कर 129.9 अंक हो गया। जून, 2022 में यह 129.2 अंक था। सूचकांक में अधिकतम वृद्धि आवासीय समूह की वजह से हुई है। इसकी कुल बदलाव में हिस्सेदारी 0.37 प्रतिशत अंक है। वस्तु स्तर पर रसोई गैस, बिजली (घरेलू), आलू, प्याज, लौकी, आम, केला, मिर्च (सूखा), पका हुआ भोजन, गेहूं, गेहूं का आटा, अरहर की दाल आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण सूचकांक बढ़ा है। हालांकि आलू, प्याज, टमाटर, पत्तागोभी, सेब, केला, धनिया, सूखी मिर्च, ताजा मछली, पॉल्ट्री, चिकन, वड़ा, इडली, डोसा, पका खाना, रसोई गैस, केरोसिन तेल, बिजली आदि की वजह से सूचकांक में वृद्धि सीमित रही। आंकड़ों के अनुसार, केंद्र स्तर पर उधम सिंह नगर में सर्वाधिक 3.8 अंक की वृद्धि हुई तथा जलपाईगुड़ी और जालंधर में क्रमशः 3.3 अंक और 3.2 अंक की वृद्धि हुई।

अप्रैल-जून तिमाही में बेरोजगारी दर घटकर 7.6 प्रतिशत परः सर्वेक्षण

नई दिल्ली (ईएमएस)। शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों के लिए बेरोजगारी दर अप्रैल-जून, 2022 के दौरान सालाना आधार पर 12.6 प्रतिशत से घटकर 7.6 प्रतिशत रह गई। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने यह जानकारी दी। बेरोजगारी दर को श्रमबल के बीच बेरोजगार व्यक्तियों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया गया है। देश में अप्रैल-जून, 2021 में कोविड-19 महामारी से संबंधित प्रतिबंधों के कारण बेरोजगारी दर अधिक थी। इस तरह बेरोजगारी दर में गिरावट को रेखांकित करने वाले 15वें आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण पर आधारित नवीनतम आंकड़े इस बात की ओर इशारा करते हैं कि महामारी की छाया से निकलकर अर्थव्यवस्था अब सुधार की ओर बढ़ रही है। आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के मुताबिक शहरी क्षेत्रों में जनवरी-मार्च, 2022 में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर 8.2 प्रतिशत थी। सर्वेक्षण में पाया गया कि शहरी क्षेत्रों में महिलाओं (15 वर्ष और उससे अधिक आयु की) में बेरोजगारी दर अप्रैल-जून, 2022 में घटकर 9.5 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 14.3 प्रतिशत थी। यह आंकड़ा जनवरी-मार्च, 2022 में 10.1 प्रतिशत थी। शहरी क्षेत्रों में पुरुषों में बेरोजगारी दर एक साल पहले के 12.2 प्रतिशत की तुलना में अप्रैल-जून, 2022 में घटकर 7.1 प्रतिशत रह गई। यह आंकड़ा जनवरी-मार्च, 2022 में 7.7 प्रतिशत था।

गलती से बैंक अकाउंट में ट्रांसफर हो गए थे 57 करोड़, अब वापस करना होगा

मेलबर्न (ईएमएस)। कई बार लोगों के बैंक अकाउंट में गलती से भारी-भरकम रकम ट्रांसफर हो जाते हैं। आमतौर पर ऐसे में लोगों को बैंक को पैसे वापस करने होते हैं। भारत में ऐसे कई मामले सामने आए हैं। अब ऐसा ही एक मामला ऑस्ट्रेलिया से आया है लेकिन यहां पूरा मामला थोड़ा पेचीदा है। दरअसल जिनके अकाउंट में गलती ये पैसे आए उन्होंने तुरंत ही इसे खर्च कर दिए। मामला कोर्ट पहुंचा, तो अब उन्हें ब्याज के साथ पैसा वापस करना होगा। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया के मुताबिक एक महिला के अकाउंट में गलती से 10.4 मिलियन ऑस्ट्रेलियन डॉलर (57 करोड़) आ गए थे। अब कोर्ट ने ये सब वापस करने का आदेश दिया है। साथ ही कहा है कि उन्हें 10 प्रतिशत ब्याज के साथ-साथ कानूनी खर्चा भी देना होगा। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल मई में मेलबर्न निवासी थेवामनोगरी मनिवेल को क्रिप्टोक्यूरेंसी एक्सचेंज क्रिप्टो डॉट कॉम से 100 का रिफंड मिलना था. लेकिन सिंगापुर स्थित ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म ने एक बड़ी गलती कर दी। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार उन्होंने दूसरे ग्राहक मनिवेल को गलती से 10,474,143 ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद मनिवेल ने परिवार के सदस्यों जैसे कि उनकी बेटी और उनकी बहन सहित छह अन्य लोगों को पैसे गिफ्ट में दे दिए। ऑडिट में जब इस गलती का खुलासा हुआ तो क्रिप्टो डॉट कॉम ने कानूनी कार्यवाही शुरू की। पिछले ?दिनों अदालत ने ?क्रिप्टो डॉटकाम के पक्ष में फैसला सुनाया और सभी पैसे और अधिक लागतों का भुगतान करने का आदेश दिया। अदालत के आदेश का मतलब ये है कि मनिवेल की बहन को मेलबर्न का एक 1.35 मिलियन डॉलर का घर बेचना होगा। जिसे कथित तौर पर पूरी तरह से गलत भुगतान के माध्यम से पेमेंट किया गया था।

हमारा दिमाग नीचे से ऊपर करता है तेजी से गिनती

-ताजे शोध में हुआ यह खुलासा

मेलबर्न (ईएमएस)। यह अक्सर माना जाता है और पश्चिमी देशों के स्कूलों में पढ़ाया जाता है कि संख्याओं का 'सही' क्रम बाएं से दाएं (1, 2, 3, 4ष्ठ) के बजाय दाएं से बाएं (10, 9, 8,7...) है। यह अंतरिक्ष में संख्या और मात्रा का प्रतिनिधित्व करने के एक महत्वपूर्ण तरीके का वर्णन करता है। ताजा अध्ययनों से पता चलता है कि मनुष्य बड़ी संख्या को दाईं ओर और छोटी संख्याओं को बाईं ओर रखना पसंद करते हैं।लोग उस समय आमतौर पर संख्याओं की तुलना करने में तेज़ और अधिक सटीक होते हैं जब बड़ी संख्याएँ दाईं ओर होती हैं और छोटी संख्याएँ बाईं ओर होती हैं, और मस्तिष्क क्षति वाले लोग जो उनके स्थानिक प्रसंस्करण को बाधित करते हैं, संख्या प्रसंस्करण में भी समान व्यवधान दिखाते हैं। लेकिन अब तक, इस बात को लेकर बहुत कम शोध परीक्षण हुए हैं कि क्या संख्याओं के मामले में क्षैतिज आयाम सबसे महत्वपूर्ण हैं।

पीएलओएस वन में प्रकाशित नए शोध में, हमने पाया कि मनुष्य वास्तव में संख्याओं को तेजी से संसाधित करते हैं जब उन्हें लंबवत रूप से प्रदर्शित किया जाता है - नीचे छोटी संख्याएं और शीर्ष पर बड़ी संख्याएं होती हैं। हालांकि, कई अध्ययनों ने बाएं से दाएं और दाएं से बाएं क्षैतिज मानसिक संख्या रेखाओं की जांच की है, कुछ ने यह पता लगाया है कि हमारी प्रमुख मानसिक संख्या रेखा क्षैतिज है भी या नहीं।हमने एक प्रयोग किया, जहां लोगों को 1 से 9 तक की संख्याओं के जोड़े एक मॉनिटर पर दिखाए गए और एक जॉयस्टिक का उपयोग यह इंगित करने के लिए किया गया कि बड़ी संख्या कहां स्थित थी। यदि स्क्रीन पर 6 और 8 दिखाए गए थे, उदाहरण के लिए, सही उत्तर 8 होगा। एक प्रतिभागी जॉयस्टिक को जितनी जल्दी हो सके 8 की ओर ले जाकर इसका संकेत देगा। प्रतिभागी प्रतिक्रिया समय को यथासंभव सटीक रूप से मापने के लिए, हमने 120 हट्ज़ मॉनिटर और उच्च-प्रदर्शन शून्य-लैग आर्केड जॉयस्टिक्स का उपयोग किया।

हमने क्या पाया जब संख्याओं को लंबवत और क्षैतिज रूप से अलग किया गया, तो हमने पाया कि केवल लंबवत व्यवस्था ने प्रतिक्रिया समय को प्रभावित किया। क्षैतिज या लंबवत मानसिक प्रतिनिधित्व का उपयोग करने का अवसर देने पर, प्रतिभागियों ने केवल लंबवत प्रतिनिधित्व का उपयोग किया। जब बड़ी संख्या छोटी संख्या से ऊपर थी, तो लोगों ने संख्याओं की किसी भी अन्य व्यवस्था की तुलना में अधिक तेज़ी से प्रतिक्रिया दी।इससे पता चलता है कि हमारी मानसिक संख्या रेखा वास्तव में नीचे (छोटी संख्या) से ऊपर (बड़ी संख्या) तक जाती है। यह महत्वपूर्ण क्यों है? संख्याएँ हमारे जीवन (और हमारी सुरक्षा) के लगभग हर हिस्से को प्रभावित करती हैं। फार्मासिस्टों को दवा की खुराक को सही ढंग से मापने की जरूरत है, इंजीनियरों को इमारतों और संरचनाओं पर पड़ने वाले दबाव को निर्धारित करने की जरूरत है, पायलटों को उनकी गति और ऊंचाई जानने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने राज्य में 3 सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर हॉर्टिकल्चर तथा 4 प्राइमरी प्रोसेसिंग सेंटर का ई-शिलान्यास किया

जामनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेलने राज्य में 3 सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फ़ॉर हॉर्टिकल्चर तथा 4 प्राइमरी प्रोसेसिंग सेंटर का गुरुवार को जामनगर ज़िले के ध्रोल से ई-शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने राज्य में बाग़बानी फ़सलों की वैल्यूचेन स्थापित कर किसानों की आय बढ़ाने के आशय से इन केन्द्रों का निर्माण करने का निर्णय किया है। इसके अंतर्गत अहमदाबाद, जामनगर व खेडा में सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फ़ॉर हॉर्टिकल्चर बनेंगे तथा बनासकाँठा, कच्छ, जामनगर, नवसारी व पंचमहाल ज़िलों में प्राइमरी प्रोसेसिंग सेंटर बनेंगे। पटेल ने इस अवसर पर कमलम फल की बुवाई के लिए 3 नई योजनाओं;सहायता कार्यक्रम, कॉम्प्रिहेंसिव हॉर्टिकल्चर डेवपमेंट कार्यक्रम एवं मिशन मधुमक्खी कार्यक्रम का राज्यव्यापी शुभारंभ भी कराया। सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत कमलम् ूट की बुवाई करने वाले सामान्य किसानों को प्रतिहेक्टेयर अधिकतम् 3 लाख रुपए तथा अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के किसानों को प्रतिहेक्टेयर अधिकतम् 4.50 लाख रुपए सहायता मिलेगी। गुजरात के किसान सामूहिक बहुवर्षायु फल फ़सलों की व्यावसायिक बुवाई करें तथा ऐसे किसानों के प्रारंभिक ऊँचे निवेश के समक्ष आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए कॉम्प्रिहेंसिव हॉर्टिकल्चर डेवलपमेंट कार्यक्रम क्रियान्वित किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य के सभी किसानों, कृषि योग्य भूमिधारक रजिस्टर्ड ट्रस्टों, फ़ार्मर प्रोडयूसर ऑर्गेनाइज़ेशनों (एफपीओ), फ़ार्मर प्रोडयूसर कंपनियों (एफपीसी), सहकारी मंडलियों के सभासदों को लाभ मिलेगा। मधुमक्खी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए मधुमक्खी पालन, प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, कोल्ड रूम, बी क्लिनिक जैसे घटकों में सहायता देने के लिए मिशन मधुमक्खी कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत एफपीओ, एफपीसी तथा 'ए'ग्रेड सहकारी संस्थानों द्वारा किसानों/सभासदों को 75ज्ञतक सहायता मिलेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गुजरात में 20 वर्षों में बाग़बानी फ़सलों का बुवाई क्षेत्र 6.92 लाख हेक्टेयर से बढ़ कर 19.77 लाख हेक्टेयर और उत्पादन 62.01 लाख मैट्रिक टन से बढ़ कर 250.52 लाख मैट्रिक टन हुआ है। राज्य सरकार द्वारा पिछले 20 वर्षों में 35 लाख से अधिक बाग़बानी किसानों को विभिन्न बाग़बानी योजनाओं से लाभान्वित किया गया है। उन्होंने कहा कि आज का कार्यक्रम बाग़बानी क्षेत्र के विकास के लिए सीमाचिह्न (माइलस्टोन) समान है। नए बनने वाले 4 सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फ़ॉर हॉर्टिकल्चर सहित समग्र राज्य में कुल 9 सेंटर कार्यरत् होंगे, जिनसे बाग़बानी कृषि मुनाफ़ाकारी बनेगी और बाग़बानी क्षेत्र में किसानों को अधिक ढाँचागत सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। राज्य सरकार ने मधुमक्खी पालन के लिए समग्र राज्य में 10 करोड़ रुपए का आवंटन किया है। पटेल ने राज्य की बाग़बानी कृषि की स्थिति का विवरण देते हुए गर्वपूर्वक कहा कि राज्य के केसर आम को जियोग्राफिकल इंडीकेशन्स (जीआई) टैग मिला है। गुजरात राज्य भिंडी व चीकू फ़सल उत्पादन में समग्र देश में प्रथम स्थान पर है। यह गुजरात के बाग़बानी खेती करने वाले किसानों के लिए गौरव की बात है। इस विषय में अधिक जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने चालू वर्ष में बाग़बानी कृषि के लिए 10 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है और पिछले 5 वर्षों में समूचे राज्य के 7.26 लाख लाभार्थियों ने सरकार की विभिन्न बाग़बानी योजनाओं के लाभ प्राप्त किए हैं। भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आरंभ किए गए ई-नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट (ई-नैम) का उल्लेख करते हुए कहा कि इस व्यवस्था द्वारा समग्र राज्य के किसान समग्र देश के किसानों के साथ परस्पर संपर्क में रह सकेंगे, जिससे उन्हें कृषि उत्पादों के अधिकतम् मूल्य मिल सकेंगे। उन्होंने कहा राज्य भर में लागू की गई ड्रोन टेक्नोलॉजी का विवरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि ड्रोन टेक्नोलॉजी के लिए 35 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है तथा 1.40 लाख एकड़ भूमि को इस टेक्नोलॉजी के अंतर्गत समाविष्ट कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि ड्रोन टेक्नोलॉजी द्वारा किसान अपने खेत में खाद डाल सकेंगे तथा उनका मज़दूरी ख़र्च बचेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत'की ओर प्रगति में यह एक उपयोगी क़दम सिद्ध होगा। पटेल ने इस अवसर पर ध्रोल के जी. एम. पटेल हाईस्कूल परिसर में लगाए गए कृषि उत्पाद स्टॉल्स को देखा और बाग़बानी कृषकों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने जामनगर ज़िले के बाग़बानी विभाग के लाभार्थियों व अन्य लाभार्थियों को राज्य सरकार की योजनागत सहायता एवं प्रमाणपत्र वितरित किए। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में राज्य सरकार के कृषि, किसान कल्याण व सहकारिता विभाग द्वारा गुरुवार को जी. एम. पटेल हाईस्कूल परिसर में बाग़बानी फ़सल परिसंवाद, सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस एवं प्राइमरी प्रोसेसिंग सेंटर का शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित हुआ; जिसका अहमदाबाद ज़िले के मिरोली, खेडा ज़िले में महेमदपुरा, कच्छ ज़िले में भुज शहर के टाउन हॉल, पंचमहाल ज़िले में जांबूघोडा और बनासकाँठा ज़िले में डीसा से सीधा प्रसारण किया गया। इसमें हज़ारों प्रगतिशील नागरिक सहभागी हुए।

ध्रोल में आयोजित समारोह में उपस्थित कृषि मंत्री राघवजी पटेल ने मुख्यमंत्री के करकमलों से शिलान्यास की जाने वाली नई परियोजनाओं पर आनंद व्यक्त करते हुए कहा कि किसान के माध्यम से गाँव और गाँव के माध्यम से पूरे देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में सरकार कार्य कर रही है। किसान को समृद्ध बनाने व उसकी आय दुगुनी करने के लिए राज्य सरकार सौनी योजना, कृषि संसाधन सहायता, उर्वरक व विद्युत सब्सिडी,ूट प्रोसेसिंग यूनिट, अधिकतम् समर्थन मूल्य पर उत्पाद की ख़रीदारी, निःशुल्क ऋण आदि जैसी अनेक कृषि कल्याणकारी योजनाएँ लागू कर किसान, खेती व गाँव को समृद्ध बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

गरज के साथ मूशलाधार बारिश से अहमदबाद हुआ पानी-पानी

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में फिर एक बार बरसाती माहौल बन गया है और राज्य के कई जिलों में सामान्य से भारी बारिश हो रही हैं गुरुवार की सुबह से काले काले बादलों से घिरे अहमदाबाद के आसमान से दोपहर 12 बजे के करीब गरज के साथ मूशलाधार बारिश शुरू हो गईं करीब डेढ़ घंटे तक हुई तेज बारिश के चलते शहर के कई इलाकों में पानी भर गया अहमदाबाद के एसजी हाईवे, जीवराजपार्क, वासणा, शिवरंजनी, सेटेलाइट, वेजलपुर प्रहलादनगर, साबरमती, चांदखेडा, असारवा, शाहीबाग, हाटकेश्वर, मणीनगर, घोडासर, वस्त्राल, निकोल, नरोडा इत्यादि इलाकों में भारी बारिश के चलते जलजमाव हो गया भारी बारिश और आसमान में काले बादलों की वजर से शहर में विजिबिलिटी भी घट गई थी जिसने वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ा दीं मौसम विभाग पहले ही राज्य में 4 दिन बरसाती माहौल का संकेत दे चुक हैं मध्य गुजरत, दक्षिण गुजरात, सौराष्ट्र में मध्यम से हलकी बारिश हो सकती हैं पिछले 24 घंटों में राज्य की 34 तहसीलों में बारिश हुई हैं गुजरात में मौसम की अब तक 100.98 प्रतिशत बारिश हो चुकी है, जो पिछले साल इसी समयावधि के दौरान 42.35 प्रतिशत बारिश दर्ज हुई थी इस साल अब भी गुजरात पर मेघा मेहरबान हैं आज सुबह सूरत, नवसारी समेत दक्षिण गुजरात में बारिश हुई हैं मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र में आगामी 3 दिनों के दौरान भारी बारिश हो सकती हैं दक्षिण गुजरात के सूरत, नवसारी, तपी और डांग के अलावा मध्य गुजरात के छोटाउदेपुर, सौराष्ट्र के अमरेली, देवभूमि द्वारका, जूनागढ़, पोरबंदर और गिर सोमनाथ में भारी बारिश हो सकती हैं

खारीकट-फतेवाड़ी योजना का लगभग 35 हजार हेक्टेयर का सिंचित क्षेत्र सरदार सरोवर नर्मदा योजना के सिंचित क्षेत्र में शामिल किया जाएगा

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के 111 गांवों के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मुहैया कराने के उदार दृष्टिकोण से एक और क्रांतिकारी कृषि हितैषी निर्णय किया है। मुख्यमंत्री के इस निर्णय के अनुसार खारीकट-फतेवाड़ी योजना के लगभग 35 हजार हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र को सरदार सरोवर नर्मदा योजना के सिंचित क्षेत्र में शामिल कर लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि नियमित पानी के अभाव में खारीकट-फतेवाड़ी योजना के इस लगभग 35 हजार हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र को पिछले कई वर्षों से सिंचाई के पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा था। इतना ही नहीं, अब तक सरदार सरोवर योजना से संभव हो उतना पानी इस सिंचित क्षेत्र को प्रदान कर खेती को बचाया गया था। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इन 111 गांवों के लगभग 35 हजार हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र को सरदार सरोवर योजना के सिंचित क्षेत्र में शामिल करने का त्वरित निर्णय कर लंबे समय से लंबित इस समस्या का सुखद हल निकाला है। भूपेंद्र पटेल के इस किसान हितकारी निर्णय के परिणामस्वरूप 111 गांवों के 6,000 से अधिक किसानों को भी सिंचाई के लिए सरदार सरोवर के सिंचित क्षेत्रों के किसानों को मिलने वाले निर्धारित पानी की तरह ही नर्मदा का पानी मिलने लगेगा।

तरणेतर मेलाः दुनिया का एकमात्र मेला, जहां ग्रामीण स्तर पर होता है विश्वस्तरीय मेले का आयोजन

- मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने सुरेन्द्रनगर जिले के विश्व प्रसिद्ध तरणेतर मेले का किया दौरा

सुरेन्द्रनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को सुरेन्द्रनगर जिले के विश्वविख्यात तरणेतर मेले को संबोधित करते हुए कहा कि गुजरात में प्रति वर्ष 1500 से अधिक और सौराष्ट्र-कच्छ में 400 से अधिक मेलों का आयोजन होता है। ऐसे में लोकजीवन और ग्रामीण संस्कृति में मेलों की अहमियत को समझते हुए गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकमेलों और सांस्कृतिक मेलों सहित तमाम मेलों को प्रोत्साहन देने की नीति लागू की थी। उन्होंने कहा कि मेले हमारी विविधतापूर्ण एवं अनेक विशेषताओं वाली लोक संस्कृति की परंपरा को बनाए रखने तथा उनके संवर्धन का काम करते हैं। सरकार मेलों का स्वरूप बरकरार रखते हुए वहां और अधिक बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कार्यरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तरणेतर मेला स्थल पर तालाब के सौंदर्यीकरण सहित अन्य कदम उठाकर उसे आगंतुकों के लिए अधिक सुविधायुक्त बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मेलों की समृद्ध परंपरा को बरकरार रखने के लिए युवाओं को मेलों के साथ अधिक से अधिक संख्या में जोड़ने के दूरदर्शी विचार के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2004 में ग्रामीण ओलंपिक की शुरुआत की थी। इसके कारण युवाओं को ग्रामीण स्तर पर खेल प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है और उन्हें परंपरागत खेलों के लिए मेले का विशाल मंच उपलब्ध होता है। तरणेतर मेले में लंगड़ी, माटला दौड़, चीनी के लड्डू खाने की स्पर्धा और रस्सीकूद जैसे परंपरागत खेलों के अलावा दौड़, वॉलीबॉल, कूद, कुश्ती और कबड्डी जैसे खेलों के आयोजन की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में यदि ग्रामीण स्तर पर कहीं वैश्विक स्तर के मेले का आयोजन होता है, तो वह तरणेतर है। इस विश्वप्रसिद्ध मेले के सुंदर आयोजन के लिए मुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायत को बधाई दी। भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्यरत है कि हर व्यक्ति तक सुविधाएं एवं सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद गुजरात को डबल इंजन की सरकार का लाभ मिल रहा है। इसके परिणामस्वरूप आज गुजरात स्वास्थ्य, शिक्षा और ऊर्जा सहित सभी क्षेत्रों में देश का ग्रोथ इंजन बना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले राज्य में सड़क, पानी और बिजली की काफी समस्या थी, लेकिन गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी आयोजन के चलते आज गुजरात के हरेक गांव में पक्की सड़क, पानी और बिजली सहित अन्य ढांचागत सुविधाएं उपलब्ध हुई हैं। नरेन्द्र मोदी ने गुजरात को देश का ग्रोथ इंजन बनाया है, ऐसे में अब हमारा लक्ष्य गुजरात को और तेजी के साथ और अधिक ऊंचाई पर ले जाने का है। ऋषि पंचमी के पवित्र अवसर पर भगवान त्रिनेत्रेश्वर की पूजा-अर्चना का लाभ मिलने पर हर्ष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने ईश्वर से प्रार्थना की कि गुजरात विकास की नई ऊंचाइयां हासिल करता रहे।

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री महेन्द्र मुंजपरा ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से शुरू हुए 'हर घर तिरंगा' अभियान में बड़ी संख्या में शामिल होकर अपने घरों और दुकानों आदि स्थल पर तिरंगा लहराकर प्रधानमंत्री के इस अभियान को अभूतपूर्व तरीके से सफल बनाने के लिए सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। डॉ. मुंजपरा ने तरणेतर मेले में प्रस्तुत किए जाने वाले नृत्यों और ग्रामीण ओलंपिक स्पर्धा का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार द्वारा मेले के आयोजन को लगातार प्रोत्साहन दिया जाता है।

राज्य मंत्री अरविंद रैयाणी ने जूनागढ़ और माधवपुर जैसे अनेक मेलों का उल्लेख करते हुए कहा कि आधुनिक समय में मेले समाज की 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत बनाने के लिए बहुत ही आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मेलों के जरिए आने वाली पीढ़ी में सामाजिक समरसता की भावना का उदय हो, इसके लिए यह आवश्यक है कि ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन होता रहे।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री की उपस्थिति में अनएकेडमी के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इससे जिले के विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी कर सकते हैं। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्यमंत्री का तरणेतर की बंडी, पगड़ी, तलवार और छतरी प्रदान कर सम्मान किया गया। इसके अलावा, थानगढ़ के पांचाल सांस्कृतिक ग्रुप की ओर से भव्य रास की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री ने ग्रामीण ओलंपिक और सूचना विभाग की प्रदर्शनी का दौरा किया साथ ही भगवान त्रिनेत्रेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना कर जनता के कल्याण की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री के तरणेतर दौरे के दौरान वन एवं पर्यावरण मंत्री किरीटसिंह राणा, श्रम एवं रोजगार मंत्री ब्रिजेश मेरजा, जिला प्रभारी मंत्री देवा मालम, वढवाण विधायक धनजी पटेल, जिला कलक्टर के.सी. संपट, जिला पुलिस अधीक्षक हरेश दुधात, चोटिला प्रांत अधिकारी प्रियांक गलचर, अग्रणी शंकर वेगड़, जगदीश मकवाणा, दिलीप पटेल, हितेन्द्रसिंह चौहाण और नीमूबेन सहित अन्य महानुभाव उपस्थित रहे।

सोमनाथ महादेव के दर्शन को आने वाले श्रद्धालू अब डिजिटल डॉक्टर की सेवा का लाभ ले सकेंगे

गिर सोमनाथ (ईएमएस) पवित्र यात्राधाम तथा बारह ज्योतिर्लिंगों में प्रथम सोमनाथ महादेव के दर्शन को आने वाले भक्त अब एक नई स्वास्थ्य सुविधा डिजिटल डॉक्टर का लाभ भी प्राप्त कर सकेंगे। कनाडा स्थित दानवीर मुकुंद पुरोहित परिवार ने इस उद्देश्य के लिए एक अत्याधुनिक हेल्थ पॉड-डिजिटल डॉक्टर मशीन सोमनाथ ट्रस्ट को दान स्वरूप भेंट की है। इस डिजिटल डॉक्टर-हेल्थ पॉड मशीन द्वारा 5 मिनट से भी कम समय में ईसीजी सहित 20 से अधिक मेडिकल रिपोर्ट प्राप्त की जा सकेंगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरणादायी उपस्थिति में दाता मुकुंदभाई पुरोहित ने गुरुवार को गांधीनगर में यह मशीन सोमनाथ ट्रस्ट को अर्पित करने वाला पत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी पी. के. लहरी, सचिव योगेन्द्र देसाई को प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने पुरोहित परिवार के इस मानव स्वास्थ्य कल्याण से जुड़े दृष्टिकोण की सराहना की।

इस हेल्थ पॉड-डिजिटल डॉक्टर मशीन की मुख्य विशेषता यह है कि यह बैठे-बैठे ही व्यक्ति की ईसीजी रिपोर्ट निकाल लेती है और वह भी केवल 5 मिनट से भी कम समय में। इसके साथ ही इस मशीन से बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई), ब्लडप्रेशर (बीपी-रक्तचाप), बॉडी सेल मास, बॉडी फ़ैट मास, बॉडी मिनरल कंटेंट, मिनरल एंड प्रोटीन कंटेंट, विस्केरल फ़ैट कंटेंट और अन्य रिपोर्ट भी देती है। यह मशीन टेलीमेडिसीन के साथ जुड़ी हुई है, जिससे रोगी अपनी रिपोर्ट आने के साथ ही उस पैनल पर स्थित एक्सपर्ट डॉक्टर्स के साथ एक क्लिक पर बात कर सकता है और डॉक्टर रिपोर्ट देख कर दवाई प्रिस्क्राइब करता है। इस मशीन से जुड़े डायेटिशियन डॉक्टर रोगी का डायट चार्ट बना कर भेजते हैं। इस मशीन द्वारा प्राप्त हुई रिपोर्ट मरीज़ को उसके ई-मेल, व्हॉट्सएप पर भी मिलती है। ई-मेल पर रोगी की प्रत्येक रिपोर्ट की डीटेल्स भेजी जाती है। यह मशीन अत्यंत आधुनिक डिजिटल टेक्नोलॉजी से जुड़ी हुई है। इस मशीन द्वारा निकलने वाली हर रिपोर्ट क्लीनिकली मान्य है। ऑडियो आउटपुट तथा वीडियो कॉन्सं की सुविधा से युक्त मशीन 4 इंच के थर्म प्रिंटर, पेमेंट गेटवे के साथ जुड़ी हुई है। बायोमैट्रिक लॉगीन, बारकोड रीडर, स्मार्टकार्ड पेमेंट और अन्य अनेक प्रकार की सुविधाओं से युक्त इस मशीन का मूल्य अनुमानित 10 लाख रुपए है।

04 से 09 सितंबर तक साबरमती-खोडियार स्टेशनों के बीच स्थित रेलवे क्रॉसिंग नंबर 241 बंद रहेगा

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर अहमदाबाद-महेसाणा सेक्शन के साबरमती-खोडियार स्टेशनों के बीच ट्रेक नवीनीकरण और ऑवर हॉलिंग कार्य के हेतु 04 सितंबर को प्रातः 08.00 बजे से 09 सितंबर 2022 को 18.00 बजे तक कुल 06 दिन के लिए रेलवे क्रॉसिंग नंबर 241 (उमा भवानी फाटक) बंद रहेंगा। सड़क उपयोगकर्ता इस अवधि के दौरान रेलवे क्रॉसिंग नंबर 240,242 एवं रिंग रोड से आवागमन कर सकते हैं।

राज्य में आवारा पशु का बहुत ही आतंक बढ़ गया है

पशु को पकड़ने के लिए गये कर्मचारियोंपर रैपिड फ्लूइड अटैक

राजकोट में पशु पकड़े जा रहे थे तब कई शख्सों ने मजदूर-टैक्टर के ड्राइवर पर रैपिड फ्लूइड का स्प्रे छिड़काव किया गया

राजकोट, १ सितंबर।

राज्य में आवारा पशु का बहुत ही आतंक बढ़ गया है और अब इसे लेकर प्रशासन भी एक्शन में आया है।

तब राजकोट में आज आजीडेम चौकड़ी के पास भावनगर रोड पर अमुल सर्कल के पास महापालिका के कर्मचारी रास्ते पर पशु पकड़ रहे थे तब उन पर एसिड जैसा कोई केमिकल से हमला किया गया था। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। राजकोट में रास्ते पर घूम रहे पशु का आतंक गत एक महीने में बढ़ जाने पर और इस मामले में हाईकोर्ट ने डायरेक्शन देने पर महापालिका द्वारा चार पांच दिन से पशु पकड़ने का काम राउंड द क्लोक शुरू किया है और इसके लिए ८-८ घंटे की तीन टीमें बनाई गई है और अतिरिक्त स्टाफ रखा गया है। इसके तहत महापालिका द्वारा पुलिस बंदोबस्त के साथ अमुल सर्कल के पास रास्ते पर रहे पशु पकड़े जा रहे थे तब कई शख्स आ गये थे और पशु पकड़ रहे मजदूर-टैक्टर के ड्राइवर पर रैपिड फ्लूइड का स्प्रे छिड़काव किया गया जिसकी वजह से दोनों का त्वचा लाल हो गया और दर्द होने पर दोनों को अस्पताल में भेजा गया। हालांकि दोनों को गंभीर चोट नहीं होने का कमिश्नर ने बताया है लेकिन केमिकल के हमले की घटना गंभीर होने की वजह से इस मामले में पुलिस कमिश्नर को शिकायत की गई थी और आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए खोजबीन शुरू कर दी है। इसके अलावा महापालिका द्वारा पशु पकड़ने के काम में तेजी लायी जाएगी और अब रात के समय में भी पुलिस बंदोबस्त रखा जाएगा तथा ऐसा काम करने वाले के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी यह बताया गया है।

पीएम मोदी फिर एक बार 10 सितंबर को आएंगे गुजरात, मंत्री परिषद का करेंगे उदघाटन

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फिर एक बार 10 सितंबर को गुजरात दौरे पर आएंगें अपने गुजरात दौरे के दौरान पीएम मोदी विभिन्न राज्यों के विज्ञान एवं टेक्नोलोजी मंत्री परिषद का उदघाटन करेंगें इस परिषद में 28 राज्यों के विज्ञान एवं टेक्नोलोजी मंत्री समेत 8 केन्द्र शासित प्रदेशों के प्रशासक शामिल होंगें इसके अलावा 100 से ज्यादा स्टार्टअप्स और उद्योगों के सीईओ के इस कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना हैं विज्ञान एवं टेक्नोलोजी मंत्रियों की परिषद दो दिन चलेगीं गौरतलब है कि पीएम मोदी हाल ही में 27 अगस्त को दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आए थें अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने अहमदाबाद में खादी उत्सव में शामिल होने के बाद साबरमती रिवरफ्रंट पर बने अटल फूट ऑवर ब्रिज का लोकार्पण किया थां गुजरात दौरे के दूसरे दिन 28 अगस्त को पीएम मोदी ने कच्छ के अंजार में वीर बालक स्मारक का लोकार्पण किया थां 17 करोड़ रुपए की लागत से यह स्मारक कच्छ में आए वर्ष 2001 के विनाशकारी भूकंप में मारे गए बच्चों की याद में बनाया गया हैं इसके अलावा भूकंप में जान गंवाने वाले लोगों की याद में भुज में बनाए गए स्मृति वन का भी पीएम मोदी ने लोकार्पण किया थां

गांधीधाम-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस ट्रेन में जोड़ा जाएगा एक अतिरिक्त स्लीपर कोच

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गांधीधाम-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस ट्रेन में एक स्लीपर श्रेणी का अतिरिक्त कोच अस्थाई रूप से लगाने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः

- ☐ ट्रेन संख्या 20804 गांधीधाम-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस ट्रेन में 11 सितंबर 2022 से 02 अक्टूबर 2022 तक एक स्लीपर श्रेणी का कोच अतिरिक्त जोड़ा जाएगा।
- ☐ ट्रेन संख्या 20803 विशाखापट्टनम-गांधीधाम एक्सप्रेस ट्रेन में 08 सितंबर 2022 से 29 सितंबर 2022 तक एक स्लीपर श्रेणी का कोच अतिरिक्त जोड़ा जाएगा।

कांग्रेस का 'आप' पर कटाक्ष- बारिश शुरू होने पर ही मेंढक आते हैं और खत्म होते चले जाते हैं

नवसारी (ईएमएस) गुजरात कांग्रेस प्रभारी रघु शर्मा ने आम आदमी पार्टी (आप) कटाक्ष करते हुए कहा कि बारिश शुरू होते ही मेंढक आ जाते हैं और बारिश के खत्म होते ही गायब हो जाते हैं ठीक उसी तरह नए नए राजनीतिक दल चुनाव आते सामने आते हैं और खत्म होने के बाद दिखाई नहीं देतें नवसारी में पत्रकार परिषद को संबोधित करते हुए रघु शर्मा ने कहा कि गुजरात विधानसभा के आगामी चुनाव को लेकर कांग्रेस रिपीट या नो रिपीट थियरी पर सर्वे कर रही हैं आगामी चुनाव में जीत सके ऐसे उम्मीदवार पर ही कांग्रेस दांव लगाएगीं दक्षिण गुजरात में कांग्रेस अच्छा प्रदर्शन कर पिछली बार के मुकाबले इस बार अधिक सीटें जीतेगीं सरकार बनाने के लिए भाजपा द्वारा विधायकों की खरीद-फरोख्त पर रघु शर्मा ने कड़े प्रहार किए, साथ ही कहा कि कांग्रेस विधायकों ने जीवन में इतने रुपए नहीं देखे होंगे, ऐसे कहकर उन्होंने अपरोक्ष तरीके से पार्टी के विधायक बिकते होने की बात का समर्थन कर दियां साथ ही कानून और न्याय की बात कर खरीदने और बेचनेवाले दोनों को दोषी ठहराते हुए खुद का बचाव करने का भी प्रयास कियां रघु शर्मा ने नवसारी की सर्वोदय सोसायटी के तोड़े गए मंदिर को लेकर भी भाजपा सरकार प्रहार किए और दोबारा मंदिर बनाने की मांग कीं बता दें कि नवसारी की सर्वोदय सोसायटी में गैरकानूनी तरीके से बने मंदिर को स्थानीय प्रशासन ने हटा दिया थां मंदिर हटाए जाने का मुद्दा राजनीतिक रंग ले चुका हैं जिसे लेकर कांग्रेस और आप अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने क प्रयास कर रही हैं

क्राइम ब्रांच ने 18 लाख के एमडी ड्रग्स के साथ एक शख्स को किया गिरफ्तार

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में पिछले काफी समय से ड्रग्स पकड़े जाने का सिलसिला जारी है। ऐसे में एक बार फिर अहमदाबाद में एमडी ड्रग्स बरामद किया गया है। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने 18 लाख रुपए कीमत के 890 ग्राम ड्रग्स बरामद कर एक शख्स को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार क्राइम ब्रांच ने शाहरुख पठान को ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को उसके पास से 890 ग्राम एमडी ड्रग्स मिली है। जिसकी बाजार कीमत 18 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद से 28 लाख रुपए की ड्रग्स के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया था। पकड़े आरोपियों से पूछताछ में एक आरोपी पुलिस को मुखबिर रह चुका हैं लॉकडाउन में कामधंधा बंद हो जाने पर आरोपी ड्रग्स का काला कारोबार करने लगे थें

मौसम द्वारा गुजरात में ५ दिन बारिश होने का पूर्वानुमान

अहमदाबाद, १ सितंबर।

गत दिन अहमदाबाद शहर के कुछ क्षेत्रों में बारिश हुई। इसके अलावा यदि गुजरात की बात करे तो, राज्यभर में अभी बारिश ने ब्रेक लिया है। कुछ स्थलों पर छिटपुट बारिश दर्ज की गई। गुजराती उमस और गर्मी की शिकायत भी कर रहे है। इस दौरान मौसम विभाग तरफ से बारिश मामले में विशेष भविष्यवाणी की गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, खेडा और आणंद सहित के क्षेत्रों में आगामी पांच दिन में भारी बारिश और हवा चलने की संभावना है। आपको बता दे कि, पिछले कुछ दिनों से छिटपुट बारिश हो रही है। कई बार बादल छाया मौसम होता है, लेकिन बारिश नहीं होती, जिसकी वजह से नमी का प्रमाण बढ़ गया है। इसी वजह से लोग गर्मी की भी शिकायत कर रहे है। फिर एक बार राज्य में पंखा और एसी शुरू हो गया है। इतना ही नहीं, गुजरातियों को भय सता रहा है कि इस वर्ष नवरात्री के त्यौहार में बारिश रूकावट बन सकती है। मानसून विड्रोअल सिस्टम लेट सक्रिय होने की वजह से लोगों को यह चिंता परेशान कर रही है। उल्लेखनीय है कि गुजरात में इस वर्ष में बहुत अच्छी बारिश हुई है। मौसम विभाग की निर्देशक डॉक्टर मनोरमा मोहंती ने पत्रकारों के साथ की बातचीत में बताया है कि, गुजरात में आगामी पांच दिन कुछ क्षेत्रों में बारिश होने की संभावना है। नर्मदा, तापी, वलसाड, नवसारी, सूरत और भरूच में विशेष संभावना है। दक्षिण गुजरात में मध्यम बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। उल्लेखनीय है कि अभी राज्य में कोई सिस्टम सक्रिय नहीं है, फिर भी हवा में नमी की वजह से कुछ क्षेत्रों में बारिश होने की संभावना है।

अब देशभर में मानसून की विदाई का समय आ गया है। मौसम विभाग के विशेषज्ञों का मानना है कि सितंबर की शुरूआत से बारिश की विदाई शुरू होती है। गुजरात की बात करे तो, राज्य से बारिश की विदाई की शुरूआत अक्टूबर महीने की शुरूआत में होती है। जिसकी वजह से गरबा के शौकीनों की चिंता बढ़ गई है।

सापूतारा में भारी बारिश के बाद बिजली आपूर्ति ठप

डांग, १ सितंबर।

गुजरात में मानसून की सीजन में अभी तक में कुल १००.९८ फीसदी बारिश हुई है। जबकि गत वर्ष इस समय में राज्य में ४२.३५ फीसदी बारिश दर्ज की गई। इस वर्ष अभी भी बारिश जारी है। अब सुबह में सूरत, नवसारी सहित दक्षिण गुजरात में बारिश दर्ज की गई है।

राज्य में सार्वत्रिक बारिश की वजह से कुल ८६ लाख हेक्टेयर क्षेत्र के सामने चालू सीजन में ८२ लाख से ज्यादा हेक्टेयर क्षेत्र में यानी कि ९५ फीसदी से ज्यादा खरीफ फसल की बुवाई हुई है। डांग जिले में सापूतारा सहित आहवा तलेटी क्षेत्र में भारी मेघगर्जना और तूफान के साथ शुरू हुई भारी बारिश की वजह से कई पेड़ धराशायी होने पर दूरदराज के गांवों में बिजली आपूर्ति ठप हुई है। सापूतारा सहित आहवा के तलेटी क्षेत्रों में स्थित सोनगीर, उमरपाडा, भांदा क्षेत्रों में अचानक मौसम बदलने पर बिजली की मेघगर्जना के साथ तूफान आने से कई पेड़ धराशायी होने पर बिजली खंभे टूट जाने पर दूरदराज के गांवों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई थी। भांदा [illegible] के पास बिजली खंभा टूट जाने पर मार्ग बाधित हो गया था। भारी बारिश की वजह से खापरी नदी दोनों किनारे से बहने लगी थी। हालांकि तूफान की वजह से कोई जनहानि या घरों को नुकसान होने की रिपोर्ट नहीं मिली। बारिश की वजह से खेती फसल को जीवनदान मिलने पर किसानों में खुशी फैल गई है। सुबह से ही सूरत नवसारी में मेघर्जना के साथ बारिश होने पर मौसम में ठंड फैल गई है। ओलपाड, मांगरोल, मांडवी सहित के तहसीलों में बारिश हुई है।

जिले के खेरगाम तहसील में सुबह में ४ से ६ बजे के २ घंटे में दर्ज की गई ४० मिमी बारिश दर्ज की गई है। नवसारी में आज सुबह में ६ बजे पूरा होने पर ८ घंटे में नवसारी, ०८ मिमी, जलालपोर ६ मिमी, खेरगाम ४० मिमी (१.६इंच), वांसदा २ मिमी बारिश दर्ज की गई है। एक सप्ताह के विराम के बाद फिर एक बार बारिश का सिस्टम एक्टिव हो गया है। गुजरात में कई क्षेत्रों में बारिश मामले में मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जताया है।

पश्चिम रेलवे द्वारा संशोधित समय के साथ अहमदाबाद और ओखा के बीच फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन के फेरों का विस्तार

अहमदाबाद , यात्रियों की सुविधा और उनकी यात्रा की मांग को पूरा करने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा अहमदाबाद और ओखा के बीच विशेष किराए पर जन्माष्टमी विशेष ट्रेन के फेरों को संशोधित समय के साथ विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण इस प्रकार हैः

ट्रेन संख्या 09435/09436 अहमदाबाद-ओखा सुपरफास्ट विशेष ट्रेन ड16 फेरे.

ट्रेन संख्या 09435 अहमदाबाद-ओखा सुपरफास्ट स्पेशल रात्रि में 23.25 बजे अहमदाबाद से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 08.25 बजे ओखा पहुंचेगी। यह ट्रेन 3 सितंबर, 2022 से 22 अक्टूबर, 2022 तक प्रत्येक शनिवार को चलेगी।

इसी तरह, ट्रेन संख्या 09436 ओखा-अहमदाबाद सुपरफास्ट स्पेशल ओखा से रात्रि में 23:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 08:45 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन 4 सितंबर, 2022 से 23 अक्टूबर, 2022 तक प्रत्येक रविवार को चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चांदलोडिया, विरमगाम, सुरेंद्रनगर, थान, वांकानेर, राजकोट, हापा, जामनगर, खंभालिया और द्वारका स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में थर्ड एसी, स्लीपर क्लास और जनरल क्लास कोच हैं।

ट्रेन संख्या 09435 और 09436 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 3 सितंबर, 2022 से पीआरएस काउंटर और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.iaianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

कलर्स के 'झलक दिखला जा' के बारे में नोरा फतेही ने कहा, ''मैं आज जो कुछ भी हूँ, 'झलक' की वजह से हूँ''

कलर्स के 'झलक दिखला जा' की पाँच साल के लंबे अंतराल के बाद इसके दसवें सीजन के साथ वापसी हो रही है और वह भी पूरी चमक-दमक और भव्यवता के साथ। हर बीतते पल के साथ इसके लिये रोमांच बढ़ता जा रहा है। 'झलक दिखला जा' का प्रीमियर एपिसोड रोमांच, मस्तीथ और ड्रामा से भरपूर होगा। कुछ बेहतरीन परफॉर्मेंस से भरपूर यह बहुप्रतीक्षित एपिसोड बहुत ही खास होगा, क्योंसकि इसके साथ एक जज के तौर पर नोरा फतेही शो में अपना सफर शुरू करेंगी। जजों के प्रतिष्ठित पैनल में नोरा को सदाबहार खूबसूरत अभिनेत्री माधुरी दीक्षित और मशहूर डायरेक्टपर करण जौहर का साथ मिलेगा। झलक के पिछले सीजन से लेकर अब तक के सफर में नोरा की जिन्दागी पूरी तरह से बदल चुकी है, क्योंेकि वे इस शो के पिछले सीजन में प्रतियोगी थीं और इस सीजन में जज बन रही हैं।

'झलक दिखला जा 10' का प्रीमियर देखिये 3 सितंबर को और फिर आने वाले एपिसोड्स हर शनिवार और रविवार रात 8:00 बजे, सिर्फ कलर्स पर

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95